राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 208 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 24 मई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

काशी की बनारसी साड़ियों पर ऑपरेशन सिंदूर की वीरता की झलक

वाराणसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की गूंज काशी की गलियों और बाजारों में भी सुनाई दे रही है। बनारस की पहचान मानी जाने वाली बनारसी साड़ियों पर इस ऑपरेशन की थीम उकेरी जा रही है, जो लोगों को आकर्षित कर रही है। बनारस के साड़ी कारोबारियों ने देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर ऑपरेशन सिंदूर को अपने डिजाइन में शामिल किया है। इन साड़ियों में भारतीय थल सेना, नौसेना और वायुसेना के शौर्य को एक साथ दर्शाया गया है। साड़ियों पर ब्रह्मोस मिसाइल, लड़ाकू विमान, युद्धपोत और सुदर्शन चक्र (एस-400) जैसे प्रतीक चिन्हों का चित्रण किया गया है। इन साड़ियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ये अब न सिर्फ स्थानीय बल्कि देशभर के लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। दुकानदार विकास ने बताया कि हमने इस साड़ी को ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर तैयार किया है। इसमें थल सेना, जल सेना और वायु सेना के प्रतीकों को एक साथ मिलाकर डिजाइन किया गया है। साड़ी पर ब्रह्मोस मिसाइल, ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल किए गए तमाम लड़ाकू विमान समेत एस-400 भी दर्शाया गया है। इस साड़ी के माध्यम से हम एक संदेश देना चाहते हैं कि पूरा देश अपने सैनिकों के साथ खड़ा है, पूरा भारत एक है।

सलमान खान के घर की सुरक्षा बढ़ाई गई, रखी जा रही कड़ी निगरानी

मुंबई। सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा को सख्त कर दिया गया है। अब वहां पहले से ज्यादा पुलिस और सुरक्षा गार्ड तैनात हैं। इसका कारण हाल ही में हुई एक घटना है, जिसमें एक 32 साल की महिला ईशा छाबड़ा सलमान के अपार्टमेंट के लिफ्ट एरिया तक पहुंच गई थी। यह महिला किसी तरह बिल्डिंग में घुस आई थी और सलमान से मिलने की कोशिश कर रही थी। हालांकि, वह सलमान के मुख्य रेसिडेंशियल एरिया में नहीं पहुंच पाई। इससे पहले ही सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोक लिया और बांद्रा पुलिस को सौंप दिया। इस घटना के बाद सलमान खान की सुरक्षा को लेकर और ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है। अपार्टमेंट के बाहर अब हर आने-जाने वाले पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को बिल्डिंग में घुसने नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा गार्ड की शिकायत के आधार पर बांद्रा पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। सलमान खान के फैंस और स्थानीय लोग इस घटना से परेशान हैं, क्योंकि सलमान का घर पहले भी सुरक्षा के लिहाज से चर्चा में रहा है। साल 2023 में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। वह बिश्नोई के रडार पर हैं, जो 1990 के दशक में सुपरस्टार के कथित तौर पर काले हिरण के शिकार का बदला लेना चाहता है।

मुख्यमंत्री साय ने बासिंग स्थित बीएसएफकैम्प पहुंचकर की जवानों की हौसला अफजाई

जवानों के बुलंद हौसलों से मिटेगा नक्सलवाद का कलंक: मुख्यमंत्री साय

21 मई को माओवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में मिली ऐतिहासिक कामयाबी पर जवानों को दी बधाई

रायपुर (समय दर्शन)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि हमारे जवानों का हौसला दुर्गम पहाड़ों से भी ऊंचा है। नक्सलवाद के विरूद्ध निर्णायक लड़ाई में हमारे जवानों ने अदभुत, साहस, शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है। जवानों के बुलंद हौसलों से अब वह दिन दूर नहीं जब बस्तर से नक्सलवाद का नामोनिशान मिट जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय आज ओरछा ब्लॉक के ग्राम बासिंग स्थित बीएसएफ कैम्प पहुंचे, जहां पर उन्होंने 21 मई को डीआरजी-बीएसएफ और जिला बल के द्वारा माओवादियों के विरूद्ध नारायणपुर, दंतेवाड़ा और बीजापुर की सरहदी पहाड़ियों में चलाए गए नक्सल विरोधी ऑपरेशन में 27 नक्सलियों को मार गिराने वाले जवानों की हौसला-अफज़ाई की। उन्होंने बासिंग कैम्प में जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि यह माओवाद के विरूद्ध अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है जिसमें सुरक्षा बलों ने हार्डकोर माओवादी बसवा राजू सहित 27 नक्सलियों को मार गिराया है। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और वन मंत्री श्री केदार कश्यप, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह भी बासिंग पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने जवानों की हौसला अफ़ज़ाई करते हुए तिलक लगाकर

उनका अभिनंदन किया। उन्होंने जवानों से कहा कि बस्तर में अमन और शांति लाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बल के जवानों को 50 मोटर बाइक पर हरी झंडी दिखाकर गस्त करने के लिए रवाना किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जवानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने जिस तरह उच्च स्तरीय रणनीति बनाकर ऑपरेशन को अंजाम दिया और कामयाबी हासिल की वह काबिले-तारीफहै।

माओवाद की समाप्ति के साथ ही बस्तर विकास की ओर तेजी से बढ़ेगा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माओवाद प्रभावित क्षेत्रों को शासन की योजनाओं से जोड़ने नियद नेल्लानार, पीएम जनमन जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसका सकारात्मक बदलाव अब बस्तर में दिखने लगा है। माओवाद की समाप्ति के साथ ही बस्तर विकास की ओर तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने ऑपरेशन में शामिल सभी जवानों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनकी बहादुरी के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि इस ऑपरेशन और जवानों की बड़ी और ऐतिहासिक सफलता की सराहना राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। उन्होंने कहा कि अब बस्तर में बड़ा और सकारात्मक परिवर्तन होने जा रहा है जो विकास और प्रगति की राह पर बस्तर को ले जाएगा।

फोर्स के इस अदम्य साहस और शौर्य को नमन है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अब वह दिन दूर नहीं जब बस्तर के माथे से माओवाद का कलंक पूरी तरह से मिट जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक देश से नक्सल समस्या को समूल समाप्त करने का संकल्प लिया है, वह पूरा होता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि वह दिन दूर नहीं जब बस्तर अंचल छत्तीसगढ़ के विकास से पूरी तरह जुड़ जाएगा।

पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

आज नीति आयोग की गर्वनिंग काउंसिल की 10वीं बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल नीति आयोग की शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की 10वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में देशभर के मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल और प्रशासक शामिल होंगे। बैठक में साल 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के रोडमैप पर चर्चा की जाएगी। यह उच्च-स्तरीय बैठक भारत मंडपम में होगी। बैठक का मुख्य विषय 'विकसित भारत के लिए विकसित राज्य' होगा, जिसमें राज्यों की भूमिका पर चर्चा होगी, ताकि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सके। प्रधानमंत्री इस बात पर जोर देंगे कि कैसे किसी राज्य

की प्रगति विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित होगी।

चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा 'उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देना-जनसांख्यिकीय लाभ का उपयोग करना' विषय पर केंद्रित होगा। भारत की युवा आबादी एक बहुत बड़ा अवसर है, इसलिए इस चर्चा के मुख्य रूप से तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित रहने की उम्मीद है।

राहुल के विदेश मंत्री जयशंकर से 3 सवाल

भारत की विदेश नीति ध्वस्त, पाकिस्तान की निंदा में हमारे साथ कोई देश क्यों नहीं आया- राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार विदेश मंत्री एस जयशंकर से 3 सवाल पूछे। एक दिन पहले राहुल ने पीएम मोदी से भी ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर 3 सवाल पूछे थे।

विदेश मंत्री जयशंकर डच ब्रॉडकास्टर ह्हस् को इंटरव्यू दिया था। इसमें जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पर सवालों के जवाब दिए थे।

जयशंकर की क्लिप पहले कांग्रेस ने अपने ङ्क हैंडल पर शेयर की थी, राहुल ने इसे री-पोस्ट

किया। राहुल ने लिखा-भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ा गया है? पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा साथ क्यों नहीं दिया? ट्रम्प से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा? कांग्रेस ने अपने ङ्क हैंडल पर जयशंकर के डच डच ब्रॉडकास्टर ह्हस् को दिए इंटरव्यू की वीडियो क्लिप शेयर की है। कांग्रेस ने अपने ङ्क हैंडल पर जयशंकर के डच डच ब्रॉडकास्टर ह्हस् को दिए इंटरव्यू की वीडियो क्लिप शेयर की है।

भाजपा ने राहुल गांधी को निशान-ए-पाकिस्तान बताया

भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि राहुल गांधी सेना की वीरता को कमतर आंकना बंद करें। ऐसे सवाल पूछना बंद करें, जो नहीं पूछे जाने चाहिए। वे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। उनकी टिप्पणी को बचकाना व्यवहार कहकर खारिज नहीं किया जा सकता।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को निशान-ए-पाकिस्तान बताया। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर राहुल गांधी की टिप्पणी को इस्लामाबाद भारत को बदनाम करने के लिए कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर जारी है। इसलिए गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी करके देश की सुरक्षा को खतरे में डालना भी बंद करें। उन्होंने कहा- राहुल गांधी, आप तय करें कि आप किस तरफ हैं। ऐसे सवाल जानबूझकर पूछना राहुल गांधी का मुख्य चरित्र रहा है, जो हमारे देश के प्रति शत्रुतापूर्ण राष्ट्रों के एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी से 3 सवाल किए थे। जो आतंकवाद, पाकिस्तान के बयान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के दावे पर थे। राहुल ने अपनी ङ्क पोस्ट में पूछे सवालों के साथ पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन की वीडियो क्लिप भी अपनी जोड़ी थी इसमें ङ्कमोदी कहते सुनाई दे रहे हैं- पाकिस्तान की तरफसे जब ये कहा गया कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा तो भारत ने भी उस पर विचार किया।

कांग्रेस ने सरेंडर किया

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की केंद्र से मांग 1991 समझौते की जांच कराई जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाक सीजफायर पर कांग्रेस की ओर से केंद्र सरकार पर सरेंडर करने के आरोप में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरेंडर करने काम तो कांग्रेस ने 1991 में किया था। अब समय आ गया है कि इस समझौते जांच की जाए कि किन परिस्थितियों में यह समझौता हुआ। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि 1991 का समझौता तब हुआ था जब कांग्रेस समर्थित सरकार सत्ता में थी। इसे 1994 में लागू किया गया था जब नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे। उस समझौते में आपने कहा था कि हमारी सेना कहां तैनात होगी, नौसेना कहां

तैनात होगी, वायुसेना कैसे कार्रवाई करेगी और ये सब 15 दिन पहले बताना होगा, क्या ये देशद्रोह नहीं है? दूसरा सवाल यह है कि आर्मी कह रही है कि हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। विदेशी मीडिया में खबरें प्रकाशित हो रही हैं कि भारत जो कह रहा है, वह सही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग मारे गए। उसे पाकिस्तान सरकार 14 करोड़ रुपया दे रही है। पीएम मोदी ने साफ कर दिया है कि सेना को आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए खुली छूट दी है। फिर भी विपक्ष हिसाब मांग रहा है। भाजपा सांसद ने कहा कि मेरा कांग्रेस से सीधा सवाल है कि यह जो समझौता आपने किया, यह किन परिस्थितियों में किया? क्योंकि, सेना की बातें तो संसद में भी चर्चा नहीं की जाती हैं। आजादी के बाद से हम अपने हिस्से के कश्मीर के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और दुश्मन देश पीओके के लिए लगातार आतंकी गतिविधि करने में लगा हुआ है।

पीएम मोदी के रहते दूसरे गठबंधन में नहीं जा सकता : चिराग पासवान

बिहार। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के साथ केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की मुलाकात ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी। राजनीति गलियारों में चर्चा होने लगी कि क्या तेजस्वी और चिराग एक साथ आ सकते हैं! राजनीति के गलियारों में लगाए जा रहे इन कयासों को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सिरे से नकार दिया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि अगर दूसरे गठबंधन में मुझे जाना होता तो मैं साल 2020 में जा सकता था। 2020 में जब मैं गठबंधन से अलग हुआ था, तो मैं किसी वैकल्पिक गठबंधन में जा सकता था। संभव है कि मेरा प्रदर्शन बहुत ज्यादा बेहतर रहता और बिहार में हमलोग एक मजबूत स्थिति में होते।

ट्रंप ने एपल को फिर दी सीधी धमकी

अगर यूएस में नहीं बनाया आईफोन तो लगाएंगे 25 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर एपल को धमकी दी है। उन्होंने शुक्रवार को खुली धमकी देते हुए कहा कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन अमेरिका में ही बनने चाहिए। अगर वह अमेरिका से बाहर भारत या अन्य किसी देश में ऐसा करेंगे तो यह एपल पर भारी पड़ेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि अगर प्रौद्योगिकी कंपनी ने ऐसा नहीं किया तो एपल के उत्पादों पर 25ब्र टैरिफलगाया जाएगा। इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि वह एक जून से यूरोपीय संघ पर 'सीधे 50ब्र टैरिफ लगाएंगे। वहीं, ट्रंप की

इन धमकियों के बाद अमेरिकी वायदा और वैश्विक बाजारों में गिरावट दर्ज की गई।

शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने पोस्ट कर यह धमकी दी। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मैंने बहुत पहले ही एपल के टिम कुक को इस बारे में बता दिया था कि मुझे उम्मीद है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में बेचे जाने वाले उनके आईफोन का निर्माण संयुक्त राज्य अमेरिका में किया जाएगा, न कि भारत या किसी अन्य स्थान पर। अगर ऐसा नहीं होता है, तो एपल को अमेरिका को कम से कम 25ब्र टैरिफ का भुगतान करना होगा।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि आईफोन की कीमतों में नाटकीय रूप से बढ़ोतरी हो सकती है। इसके चलते एपल की बिक्री और मुनाफे को नुकसान हो सकता है। इतना ही नहीं एपल भी अब अमेजन वालमार्ट और अन्य प्रमुख कंपनियों के साथ व्हाइट हाउस के निशाने पर आ गई है।

हिमाचल की सांस्कृतिक आत्मा और आधुनिक भारत के विज़न का संगम बन चुका यह स्टेशन

अमृत भारत योजना के तहत बैजनाथ पपरोला स्टेशन का भव्य कायाकल्प, प्रधानमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली (समय दर्शन)। हिमाचल प्रदेश के हरे-भरे कांगड़ा घाटी में स्थित ऐतिहासिक बैजनाथ पपरोला रेलवे स्टेशन ने आज अपने पुनर्जन्म की गौरवशाली कहानी लिखी। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से इस स्टेशन के पुनर्विकसित रूप का लोकार्पण किया। यह न केवल हिमाचल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, बल्कि भारतीय रेलवे के विकासात्मक युग का भी प्रतीक है। प्रधानमंत्री द्वारा आज 18 राज्यों के 103 स्टेशनों का एक साथ उद्घाटन किया गया—जिसमें बैजनाथ पपरोला, हिमाचल का गौरव बनकर राष्ट्रीय फ्लक पर चमका।

पुनर्विकास के तहत स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है—जिसमें प्रवेश और निकास की अलग व्यवस्था, दिव्यांगजन-अनुकूल संरचना, विस्तृत पार्किंग क्षेत्र, साफ-सुथरे प्रतीक्षालय, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था और हरियाली से युक्त खुले क्षेत्र शामिल हैं। यह सभी सुविधाएं यात्रियों को एक स्मार्ट, सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा अनुभव प्रदान

करने के उद्देश्य से विकसित की गई हैं।

विशेष बात यह रही कि रेलवे प्रशासन ने स्टेशन के स्थानीय वास्तुशिल्प और पारंपरिक पहचान को यथावत रखते हुए ही इसका कायाकल्प किया है। परिणामस्वरूप, यह स्टेशन अब केवल एक यातायात केंद्र नहीं, बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक आत्मा और आधुनिक भारत के विज़न का संगम बन चुका है। इस अवसर पर हाल ही में स्थापित ष्ठक्रू कार्यालय, जम्मू से डीआरएम श्री विवेक कुमार भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने कहा— अमृत भारत योजना के अंतर्गत हम छोटे और मंझोले स्टेशनों को केवल पुनर्निर्मित नहीं कर रहे, बल्कि उन्हें उस क्षेत्र की संस्कृति और पहचान का प्रतिनिधि बना रहे हैं। यात्री अब सिर्फट्रेन में नहीं बैठते—वे एक अनुभव का हिस्सा बनते हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बैजनाथ पपरोला के साथ-साथ सहारनपुर और बिजनौर स्टेशनों का भी इसी योजना के तहत कायाकल्प किया गया है। नवीनतम रूप में सजे स्टेशन परिसर में एक वीर सैनिकों को समर्पित प्रदर्शनी भी स्थापित की गई है, जो देशभक्ति की भावना को सजीव करती है और युवाओं को प्रेरित करती है। अमृत भारत स्टेशन योजना सिर्फ एक विकास परियोजना नहीं, बल्कि यह भारत के रेलवे तंत्र का संस्कृति-संवेदनशील कायाकल्प है। यह पहल न केवल प्रवासी यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करती है, बल्कि स्थानीय समुदायों को भी गौरव का अनुभव कराती है। बैजनाथ पपरोला स्टेशन, आज से, केवल एक ठहराव नहीं—बल्कि हिमाचल के विकास, पहचान और परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति बन चुका है। रेलवे प्रशासन को इसके लिए शब्दों से परे सराहना दी जानी चाहिए, जिसने हिमालय की छांव में बसे इस छोटे-से स्टेशन को राष्ट्र निर्माण की बड़ी तस्वीर में स्थान दिया।

संक्षिप्त समाचार

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर ग्राम पुरई मे

पाटन (समय दर्शन)। महिमा हॉस्पिटल उतई एवं शाश्वत डायग्नोस्टिक सेंटर उतई के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 23 मई 2025 को ग्राम पंचायत पुरई मे नि:शुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया इस स्वास्थ्य शिविर में 38 मरीज का जांच कर दवाई वितरण किया गया सभी मरीजों का बीपी सुगर स्कैनिंग कर उचित परामर्श दिया गया। इस शिविर में डॉ आकाश साहू, छम्मन निर्मलकर, ललित कुमार साहू , चिम्मन ठाकुर, नीता देवांगन, भेनकुमारी यादव, प्रिया धनकर,राधेश्याम साहू, सरपंच श्री डोमार साहू ,पंच श्री छबी लाल साहू एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित थे।

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयन्ती पर भाजपा पिथौरा ने की देवालयों की साफ सफाई

पिथौरा (समय दर्शन)। पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर की 300 वी जयंती के अवसर पर भाजपा नेताओ ने मंदिर चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।

अभियान के उपरांत वरिष्ठ जनों ने महाप्रभु जगन्नाथ भगवान की पूजा अर्चना की,, जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शंकर अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष देव सिंह निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश सिंघल, शशि डड़सेना, रैदास गोयल, सीताराम सिन्हा, सेतराम पटेल, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी, आलोक त्रिपाठी, महामंत्री जतिन ठक्कर, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय नायक, पार्षद मन्नूलाल ठाकुर ,पुष्पकांत पटेल, कौशल मानिकपुरी ,संदीप सेन, संतोष डड़सेना, रामकुंवर सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि सुमित अग्रवाल, बबलू सोनी, मंडल उपाध्यक्ष पंचराम मटियारा, युवा मोर्चा मंडल महामंत्री सौरभ अग्रवाल, दुर्गेश सिंहा, राजा खनूजा, देवा डड़सेना एवं भाजपा के कार्यकर्ता शामिल थे।

जिला स्तरीय अल्पसंख्यक कल्याण समिति एवं प्रधानमंत्री के नवीन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक 03 जून को

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला स्तरीय अल्पसंख्यक कल्याण समिति एवं प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय नवीन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक 03 जून 2025 को जिला कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में समय अपरान्ह 01 बजे आयोजित की गई है। बैठक में विभाग से संबंधित एजेण्डा बिन्दुओं पर समीक्षा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को विभागीय जानकारी के साथ उक्त बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीतसिंह छाबड़ा ने ली पद की शपथ

शपथ ग्रहण समारोह में सामाजिक समरसता का दिया परिचय

अल्पसंख्यक समुदाय को मिलेगा सशक्त नेतृत्व-डॉ.सम्पत

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष अमरजीतसिंह छाबड़ा ने गुरुवार को अटल बिहारी वाजपेयी सभागार (मेडिकल कॉलेज परिसर) में पद की शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें धार्मिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक अनुष्ठानों का पालन किया गया। इस अनुष्ठान के बाद अमरजीत छाबड़ा ने आयोग अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की, जिसके दौरान सभा में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने उत्साहपूर्वक उनका समर्थन किया।

नए प्रतिमान स्थापित होंगे-विजय शर्मा

मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में अमरजीत छाबड़ा को शुभकामनाएँ देते हुए उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, अल्पसंख्यक समुदाय की उन्नति हमारे सामाजिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नए अध्यक्ष के नेतृत्व में हम नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार सभी वर्गों को मुख्यधारा में लाने हेतु प्रतिबद्ध है। विशिष्ट अतिथि बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने छाबड़ा को शुभकामनाएँ और उनकी नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन की कामना करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनकी नियुक्ति प्रदेश की सामाजिक समरसता को और सशक्त करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि साय सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रयासरत है और नए अध्यक्ष के मार्गदर्शन में अल्पसंख्यक समुदाय को नए अवसर मिलेंगे। विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा कि साय सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान हेतु नई योजनाओं पर कार्य कर रही है और अमरजीत छाबड़ा के अनुभव से आयोग को नई दिशा मिलेगी।

अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों की रक्षा मेरी प्राथमिकता-छाबड़ा

शपथ ग्रहण समारोह में अमरजीत छाबड़ा ने आश्वासन दिया कि वे अल्पसंख्यक समुदाय के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा,मेरी प्राथमिकता अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें सामाजिक विकास के समान अवसर प्रदान करना है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए वे पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। अमरजीत छाबड़ा ने कहा कि बसना से मुझे बहुत लगाव है क्यों कि वहां मेरे बड़े भाई विधायक डॉ संपत अग्रवाल रहते है । उनसे मुझे बहुत प्यार मिला ।उहोंने मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है ।

ग्राम पंचायत बोरिद में समाधान शिविर, 14 ग्राम पंचायतों की भागीदारी, 4774 आवेदनों का निराकरण

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत बोरिद शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 14 ग्राम पंचायत शामिल हुए। जिले में सुशासन तिहार का तृतीय चरण 5 मई से 30 मई 2025 तक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। तीसरे चरण का यह शिविर निर्धारित तिथियों एवं स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है। जनपद पंचायत सीईओ श्री जागेन्द्र साहू ने जानकारी दी कि कुल 4856 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें लंबित 82 और 4774 आवेदनों का निराकरण किया गया। इसके अलावा शिविर में 230 नए आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर 8 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र, समाज कल्याण विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति, 16 हितग्राहियों को राशन कार्ड, मनरेगा के तहत 8 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, राजस्व विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका, जिला सहकारी समिति द्वारा 4 हितग्राहियों को केसीसी चेक और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सुपोषण टोकरी प्रदान की गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा तिरंगा रैली भी निकाली गई।

सांसद प्रतिनिधि श्री राजेश चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में लगाए जा रहे शिविरों का उद्देश्य न केवल जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना है, बल्कि विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देना भी है।

आवारा मवेशियों के रोकथाम के लिए लगातार चलाये अभियान

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस. उइके ने कलेक्ट्रोरेट सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा समिति एवं नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिये ।उन्होंने आमजनों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। शराब पीकर वाहन चलाने वाले पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सड़क सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले प्रावधानों एवं सड़कों पर होने वाले दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किये जाने वाले उपायों पर विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिये। उन्होंने दुर्घटना संभावित स्थानों एवं ब्लैक स्पॉट की पहचान कर आवश्यक सुधार कार्यवाही भी करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री उइके ने घुमंतु मवेशियों के कारण सड़कों पर होने वाली दुघटनाओं को रोकने के लिए आवारा पशुओं को रोकने का नियमित अभियान चलाने के निर्देश दिये। साथ ही मवेशियों के गले पर रेडियम बेल्ट लगाने एवं सींग पर कलर कोडिंग अनिवार्यत: करने को कहा ।कलेक्टर ने बारात आदि प्रयोजनों में पीकअप,ट्रैक्टर, ट्रक आदि वाहनों को लोगों के परिवहन के लिए उपयोग में नहीं लाने के लिए भी आवश्यक निर्देश दिये ।उन्होंने कहा कि खुले वाहनों में लोगों के परिवहन करने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने लोगों को खुले वाहनों में परिवहन न करने के समझाईश देने गांवों में मुनादी कराने के निर्देश दिये ।कलेक्टर श्री उइके ने नशामुक्त भारत अभियान समिति की बैठक में गांव में लोगों को नशा के खिलाफ जागरूक करने गठित भारत माता वाहिनी को सक्रिय करने के निर्देश दिये ।साथ ही समिति के माध्यम से तथा स्वास्थ्य शिक्षा समाज कल्याण विभाग के समन्वय से नशे के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने स्कूल,कॉलेजों एवं सार्वजनिक संस्थानों में भी नशा के खिलाफ लोगों को जागरूक करने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिये।

172 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से किया गया लाभान्वित

पथरिया विकासखण्ड के ग्राम पड़ियाईन में समाधान शिविर आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप सुशासन तिहार के तीसरा चरण अंतर्गत पथरिया विकासखण्ड के ग्राम पड़ियाईन में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाई गई थी। बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने विभागीय स्टालों का अवलोकन किया और आमजनों को योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए तथा लोगों को योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया।

विधायक कौशिक ने 172 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत सामाग्री प्रदान कर लाभान्वित भी किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा आमलोगों की समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए ही समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का नाम भी समाधान रखा गया है। शिविर में निराकरण के संबंध में जानकारी दी जा रही है। सभी अधिकारी यहां पहुंचे हैं, तो शिविर का लाभ अवश्य उठाएं। विधायक कौशिक ने 08 कृषकों को किसान-किताब, 06 लोगों को पीएम आवास की स्वीकृति पत्र, केसीसी योजनांतर्गत 09 को 05 लाख 52 हजार रूपए का चेक, 05 बच्चों को व्हीलचेयर, ट्रायसायकल, श्रवण यंत्र और एम.आर.किट, 02 को आयुष्मान कार्ड व 03 को वय वंदना कार्ड, 05 को पावर स्प्रेयर व 06 कृषकों पीएम किसान सम्मान निधि की राशि, 04 को नोनी सुरक्षा योजना का बाण्ड पेपर, 15 को पेंशन स्वीकृति पत्र, पीएम किसान सम्मान निधि अंतर्गत 03 नए पंजीयन, 10 लोगों को राशनकार्ड, 11 लोगों को पशु व बकरी शेड की स्वीकृति पत्र और 88 को जॉब कार्ड, 05 को सोलर स्ट्रीट लाइट व 06 को सोलर ड्यूल पम्प प्रदान कर लाभान्वित किया। साथ ही कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 06 बच्चों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। आयुष विभाग द्वारा 121 मरीजों की जांच कर दवाई का वितरण किया गया।

पथरिया एसडीएम अजय शतरंज ने बताया कि पड़ियाईन क्लस्टर अंतर्गत मुण्डादेवरी, अमलडीहा, पड़ियाईन, धरदेई सहित 14 ग्राम पंचायतों से 03 हजार 903 आवेदन प्राप्त हुए हैं, इनमें से 03 हजार 888 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। इसके साथ ही 01 हजार 200 लोगों का पीएम आवास प्लस 2.0 में नाम जोड़ा गया है। 177 नए शौचालय स्वीकृत किए गए हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

अचानकपुर में महिला समूह का मिशन स्वच्छता का निर्णय, सप्ताह में एक दिन श्रम दान कर गांव की करेंगे सफाई, सरपंच की अध्यक्षता में हुई बैठक

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम अचानकपुर में महिला समूह के सदस्यों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सरपंच देवानंद साहू ने किया। इस दौरान उपसरपंच भी मौजूद रहे । महिला समूह के सदस्यों ने अपने कार्य के साथ साथ गांव में स्वच्छता अभियान चलाने का भी संकल्प लिया। सरपंच देवानंद साहू ने महिला समूह के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि गांव में महिला समूह संगठित होकर आर्थिक रूप से मजबूत हो इसके लिए सब मिलजुल कर प्रयास करेंगे। उन्होंने गांव में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई करने के लिए सभी महिला समूह के सदस्यों से अपील किया। बैठक में सभी सदस्यों ने एक मत से निर्णय लिया कि सप्ताह में एक दिन श्रम दान कर गांव की साफ सफाई किया जाएगा। इस अवसर पर गांव के सभी महिला स्व सहायता समूह के तुलसी, शिला, चुन्नी, यशवंतिन , छेमिन, कविता, सुकून, भुवनेश्वरी, रीना, नमिता ,भारती, बमलेश्वरी, कौशल्या, अमेरिका, जीतेश्वरी, ओम कुमारी, भूमिका, चंद्राकर, उमेश्वरी, दामिनी मंजू, फुलेश्वरी, ज्योति सहित अन्य मौजूद रही।

कवर्धा में शहीदों के नाम एक रक्तदान, आवाम के लिए जरूरी - वाल्मीकि वर्मा

कवर्धा (समय दर्शन)। भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के आह्वान पर कबीर की नगरी कबीरधाम जिला स्थित राजीव कांग्रेस भवन में युवा कांग्रेस विधानसभा कवर्धा द्वारा एक रक्तदान- शहीदों के नाम विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 52 युवाओं ने रक्तदान कर आयोजन को अस्मरणीय बना दिया।

जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर की परिकल्पना को साकार करते हुए सर्वप्रथम आजादी के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी की पूजा अर्चना की गई। सभी अतिथियों का स्वागत एवं प्रशस्ति पत्र उनके हाथ से रक्तदाताओं को दिलाकर सम्मानित किया गया। रक्तदान के इस संदेश को छात्र-छात्राओं के माध्यम से सर्वधर्म-सर्व वर्ग समाज में जागरूकता लाने व जरूरतमंद लोगों को समय में रक्त मिले। इस उद्देश्य को लेकर यह विशेष रक्तदान शिविर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी किया गया।

युवा कांग्रेस कवर्धा समन्वय अश्वनी वर्मा एवं युवा कांग्रेस अध्यक्ष वाल्मीकि ने कहा कि भारत रत्न स्व राजीव गांधी

कहते थे कि भारत युवा राष्ट्र है। मेरा सपना है-21वीं सदी का भारत मजबूत, स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बने। दुनिया में प्रथम रैंक पर आए। अपने कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता और प्रगतिशील सोच से आधुनिक भारत के निर्माण की अहम भूमिका निभाई। उनका समर्पण, साहस और आधुनिक भारत के प्रति दृष्टिकोण हमेशा राष्ट्र को प्रेरणा देता रहेगा।

उन्होने कहा कि रक्तदान को महादान कहा जाता है, क्योंकि रक्तदान करके एक व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति की जान बचाता है। इतना ही नहीं उनके परिवार के लिए खुशियां देता है। अपने शरीर का रक्त किसी के लिए दान कर देना ही सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना जाता है। रक्तदान स्वास्थ्य के लिए लाभदायक और फायदेमंद होता है यह एक अच्छा अवसर भी है, किसी दूसरे के रगों में बहने का। व्यक्ति के मन में रक्तदान करने से जुड़े कई भ्रम की वजह से लोग रक्तदान नहीं कर पाते कभी-कभी लोगों को समय पर रक्त ना मिलने पर सैकड़ो लोगों की जान चली जाती है।

स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त ही सबसे अधिक सुरक्षित होता है। गर्भवती महिलाओं एवं अन्य गंभीर रूप से बीमारी जैसे सिकलिन, दिल की बीमारी, कैंसर, विटामिन की कमी, कुपोषण ग्रसित बच्चों को रक्त दान कर उन्हें उपहार में जीवन देते हैं। जब हमारा कोई अपना खून के लिए जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहता है और रक्त उपलब्ध न हो तभी हमें रक्तदान का महत्व का पता चलता है।

शहीदों के नाम रक्तदान में 52 लोगों ने शामिल हुए

युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित रक्तदान विशेष शिविर में अक्षय अहीरे, पप्पू चंद्रवंशी, रामगोपाल वर्मा, निलेश वर्मा, रोशन कुमार साहू, देव बंजारे, करण साहू, चतुर पटेल, सत्यनारायण वर्मा, राम नारायण वर्मा, विकास चंद्रवंशी, अजय कुमार पात्रे, राजा चंद्रवंशी, शैलेंद्र कुमार वर्मा, नंदकिशोर चंद्रवंशी, हरीश चंद्रवंशी, चंद्रशेखर चंद्रवंशी, पप्पू यादव, जलेश जोशी, विपिन चंद्रवंशी, सहदेव चंद्रवंशी, रूपलाल साहू, मनोज कुमार, कार्तिक राम वर्मा, गजेंद्र वर्मा, मिथिलेशवर्मा, नवलकिशोर वर्मा, मनोज कुमार चंद्रवंशी, कोमल वर्मा, शुभम वर्मा, भोजराम यादव, धरम वर्मा, रूपेश वर्मा, रोशन चंद्रवंशी, गिरधर लहरे, नरसिंह साहू, धर्मेंद्र चंद्रवंशी, सतीश चंद्रवंशी, शत्रुघ्न मानिकपुरी, सोमिल चंद्राकर, माधवेश चंद्रवंशी, अनिल वर्मा, दिग्म्बर साहू, प्रमोद चंद्रवंशी, चंद्रशेखर जायसवाल, विनय चंद्रवंशी, भीषम जायसवाल, आनंद चंद्रवंशी, दुर्गेश खुसरो, अशोक साहू, रूपेश साहू सहित (52) लोगों ने रक्तदान किया।

कार्यक्रम युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंद्रभान कोसले, गिरीश चंद्रवंशी, जितेन्द्र लहरे, अमित वर्मा, जलेश यादव, चेतन वर्मा,राजेश पात्रे, अमन वर्मा, विष्णु सिंह नेताम सहित समस्त क्षेत्र से आए हुए युवा व आमजन उपस्थित रहे।।

मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी मंचन के साथ समर कैंप का समापन

बसना(समय दर्शन)। राज्य परियोजना कार्यालय एवं समस्त जिला परियोजना कार्यालय से समस्त पी. एम श्री शालाओं मे 10 दिवसीय समर कैंप लगाने का निर्देश था। उसी तर्ज पर पी.एम. श्री शास.प्राथमिक शाला चनाट मे दिनाँक 14/05/2025 से 23/05/2023 तक 10 दिवसीय समर कैम्प सफलतापुर्वक हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। दिनाँक 23/05/2025 समर कैंप का दसवां अर्थात अंतिम दिवस था। आयोजन के समापन समारोह मे मुख्य अतिथि श्रीमती प्रेमबाई डोलचंद नायक सदस्य जनपद पंचायत बसना क्षेत्र क्र. 01 रंगमंटिया (चनाट)एवं अध्यक्षता श्रीमती लक्ष्मी सुरेश बरिहा सरपंच ग्राम पंचायत चनाट व विशिष्ट अतिथि विजयकुमार धृतलहरे जिला अध्यक्ष छ. ग. प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ सहित भारतीय जनता पार्टी के मण्डल अध्यक्ष धर्मेंद्र पटेल, संतलाल पटेल, मोहन पटेल, राधेकृष्ण नायक, अनुसूईया संजय पटेल (उप सरपंच)ग्राम पंचायत चनाट, संकुल समन्वयक रोहित पटेल,निलकुमार पटेल व अन्य 50 ग्रामीण जन मौजूद थे। समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत हुआ, स्वागत के पश्चात सभी अतिथियों को दस दिन के समर कैंप मे विभिन्न विधाओं जैसे :- क्ले आर्ट, पेपर क्राफ्ट, पेंटिंग, ड्राइंग, रचनात्मक लेखन कौशल, जीवन कौशल, मोतियों एवं फूलों से माला पिरोने की की कला, चूड़ी एवं ऊन की सहायता से बने गृह सज्जा सामग्री, जुम्बा एवं एक्सरसाइज टाल के माध्यम से और प्रत्यक्ष रूप से दिखाया गया।

सुशासन तिहार : मुख्यमंत्री ने सरगुजा संभाग के तीन जिलों की समीक्षा की, अधिकारियों को दी सख्त हिदायत

अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलों को मिलेगा पुरस्कार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार के अंतर्गत अम्बिकापुर में सरगुजा, बलरामपुर-रामानुजगंज और जशपुर जिलों में योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनहितकारी शासकीय योजनाओं को बेहतर तरीके से अमलीजामा पहनाने वाले जिलों को पुरस्कृत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों से टीम भावना से कार्य करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के पहले चरण में प्रदेशभर से लगभग 40 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनका समाधान दूसरे चरण में किया गया। अब तीसरे चरण में वे स्वयं जिलों का दौरा कर आम जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं।

जनता के प्रति जवाबदेह बनें अधिकारी- मुख्यमंत्री ने तीनों जिलों के कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और अन्य अधिकारियों से कहा कि वे जनता के सेवक हैं, उनकी जिम्मेदारी है कि समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से फील्ड का दौरा करें, जनता के सुख-दुख में शामिल हों और शिकायतों के निपटारे में पेशियों की अनावश्यक तारीखें देना बंद करें। उन्होंने कहा कि राजस्व से संबंधित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अवैध रेत खनन के मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाए।

बुनियादी जरूरतों पर विशेष ध्यान- मुख्यमंत्री ने कहा कि पीने के पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यदि कहीं पेयजल संकट की स्थिति बनती है, तो इसका तत्काल समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि तालाबों को सूखने से बचाने और ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्रोतों की सुरक्षा की व्यवस्था की जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले किसानों को खाद-बीज की कमी न हो, इसके लिए विशेष निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बनने वाली सड़कों, पीएम आवासों तथा जिलों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और उनकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों के निर्देश- गर्मी और बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियों और सांप काटने की घटनाओं की संभावना को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में दवाइयों और एंटी-स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

मनरेगा और अमृत सरोवर योजना से ग्रामीण विकास को नई गति

जल संरक्षण और रोजगार में बड़ा असर

रायपुर। सूरजपुर जिले में मनरेगा और अमृत सरोवर योजना के प्रभाव से ग्रामीण विकास की तस्वीर तेजी से बदली है। जल संरक्षण से लेकर कृषि विस्तार और आजीविका संवर्धन तक इन योजनाओं ने बहुआयामी लाभ पहुंचाए हैं।

देवीपुर में आदर्श बना अमृत सरोवर- ग्राम देवीपुर में मनरेगा के तहत बना अमृत सरोवर अब आजीविका का केंद्र बन चुका है। 10,000 क्यूबिक मीटर जल संग्रहण क्षमता वाले इस तालाब से 80 किसानों की 150 एकड़ भूमि सिंचित हो रही है। कामना स्वयं सहायता समूह मछली पालन से सालाना ?40,000 तक की कमाई कर रहा है। अब किसान खरीफ के साथ रबी फसल भी ले रहे हैं, जिससे प्रति एकड़ ?30,000 की आमदनी हो रही है।

भुवनेश्वरपुर में तालाब को मिली नई जान- ग्राम भुवनेश्वरपुर में पुराने तालाब का पुनरुद्धार कर जल संरक्षण और आजीविका संवर्धन की मिसाल कायम की गई है। तालाब का गहरीकरण, विस्तार और मजबूतीकरण कर उसे पुनर्जीवित किया गया। नालियों और पत्थरों से संरचना को मजबूत किया गया। ग्रामीणों को मनरेगा के तहत रोजगार भी मिला और तालाब में मछली पालन से अतिरिक्त आमदनी का नया जरिया खुला।

जगतपुर में अर्दन चेक डेम से सिंचाई की नई राह- जगतपुर ग्राम पंचायत में खरौक झरिया नाला पर अर्दन चेक डेम का निर्माण ग्रामीण जल संकट के समाधान में एक बड़ी उपलब्धि बनकर सामने आया है। लगभग ?12.88 लाख की लागत से तैयार इस परियोजना से गर्मियों में भी जल उपलब्धता बनी रहती है, जिससे निस्तार, सिंचाई और मवेशियों के लिए पानी मिल रहा है। चार हितग्राहियों को निजी भूमि पर कूप और डबरी निर्माण का लाभ भी मिला है।

चुनौतियों को पार कर सफलता की मिसाल- परियोजनाओं के दौरान अतिक्रमण हटाने, चट्टान तोड़ने और संरचनात्मक कठिनाइयों जैसी चुनौतियाँ भी सामने आईं, लेकिन पंचायत और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से ये सभी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए गए।

योजनाएं बनीं ग्रामीण सशक्तिकरण का माध्यम- मनरेगा और अमृत सरोवर योजना अब केवल रोजगार तक सीमित नहीं, बल्कि ये जल प्रबंधन, आर्थिक सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के प्रभावी साधन बनकर उभर रही हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने अस्पताल में बांटे फल

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ ने रायपुर के कालीबाड़ी स्थित मातृ शिशु चिकित्सालय जिला अस्पताल में मरीजों को फल और बिस्किट वितरित किए। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान और योगदान को याद किया।

आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा थे राजीव गांधी- प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा थे। उन्होंने देश में तकनीकी क्रांति की नींव रखी और आज भी करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का बलिदान और देश के लिए उनका दृष्टिकोण हमेशा याद रखा जाएगा।

कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं की भागीदारी- इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस महामंत्री कन्हैया अग्रवाल, सकलैन कामदार, सुरेश गोयल, वहीदुद्दीन, राजेश त्रिवेदी, दिनेश

निर्मलकर, करण राज, शरद गुप्ता, नवीन लाजरस, मुनेश गौतम, श्रेयांस शुक्ला, देवेंद्र पवार, गेंदलाल ठाकुर (लाला), विजय बाफना, काका, राजेश कटारे, अजय दास, हेमंत वर्मा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने मरीजों से बातचीत कर उन्हें फल और बिस्किट देकर स्वास्थ्य लाभ की कामना की। कार्यक्रम में मानवीय सेवा को केंद्र में रखते हुए राजीव गांधी के विचारों और उनके कार्यों को साझा किया गया।

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन ने 1100 दीपों से भगवान परशुराम की महाआरती की

रायपुर। भगवान परशुराम जयंती पर वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन और सर्व युवा ब्राह्मण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी के दूधाधारी सत्संग भवन में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। 1100 दीपों से हुई इस आरती का नेतृत्व आचार्य इन्दूभवानन्द महाराज ने किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में समाजजन, साधु-संत, महिलाएं और युवा शामिल हुए।

धर्म और संगठनात्मक एकता का संदेश- सभा को संबोधित करते हुए आचार्य इन्दूभवानन्द ने भगवान परशुराम के शस्त्र और शास्त्र दोनों में पारंगत होने की बात कही। उन्होंने कहा कि वे धर्म रक्षक थे और गंगा पुत्र भीम, कर्ण और द्रोणाचार्य जैसे योद्धाओं के गुरु थे।

दीपों से हुआ प्रकाशोत्सव, जयकारों से गूंजा परिसर- कार्यक्रम के संयोजक नितिन झा ने परशुराम को विप्रों के आराध्य बताया। महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा ने पूजन की तैयारियों की जानकारी दी। मंच से प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ओझा, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश मिश्रा, प्रदेश

महासचिव डॉ. सुनील ओझा, युवा अध्यक्ष अविनय दूबे, अमृतलाल बिलथरे, दशरथ शुक्ला, योगेश शर्मा समेत कई वक्ताओं ने समाज की एकता और परशुराम विचारों की प्रासंगिकता पर विचार रखे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन- SK Care Hospital के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें सीईओ डॉ. सुनील ओझा, डॉ. जया बाजपेई और चेयरपर्सन सीमा ओझा ने सेवा दी।

भजनों और महाआरती से बंधा समां- कार्यक्रम की शुरुआत भजन मंडलियों से हुई, जिनमें महिलाओं ने संगीतमयी भजनों के माध्यम से श्रद्धा का माहौल रचा। अंत में 1100 दीपों से भगवान परशुराम की महाआरती की गई और शंख-घंटा, ढोल-धमाके के साथ जय जय परशुराम के नारों से परिसर गूंज उठा।

प्रमुख उपस्थितगण- कार्यक्रम में पूर्व विधायक वीरेंद्र पांडेय, ओमप्रकाश मिश्रा, सुमन मिश्रा, राजेश दीक्षित, नीरज पांडेय, उमा तिवारी, ओपी शर्मा, वसुधा तिवारी, डा. विकास पाठक सहित बिलासपुर, बेमेतरा, भिलाई, खरोरा, रायपुर से ब्राह्मण समाज के प्रमुख प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह आयोजन धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया।

सैमसंग ने एआई वॉश के साथ लॉन्च की बीस्पोक एआई टॉप लोड वाशिंग मशीनें

गुरुग्राम: सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने अपनी टॉप लोड वॉशिंग मशीन की श्रेणी में बीस्पोक एआई का विस्तार करने की घोषणा की है। यह कदम बीस्पोक एआई फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों को ग्राहकों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। नई रेंज कपड़ों की अच्छे से देखभाल करने, बिजली की बचत और आसान इस्तेमाल के लिए एडवांस्ड एआई पावर्ड फीचर्स के साथ आती है। इस विस्तार से सैमसंग ने नए आविष्कारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है, जिससे ग्राहकों को स्मार्ट और आसान धुलाई का अनुभव मिलेगा। नई टॉप लोड वॉशिंग मशीनें 8KG, 10KG, 12KG और 14KG की क्षमता में उपलब्ध हैं और इन्हें बीस्पोक एआई के साथ कपड़े धोने का आसान और कुशल अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये मशीनें ब्लैक कैवियार, लैवेंडर ग्रे, और नए लॉन्च किये गये डीप चारकोल व ब्रश्ड नेवी जैसे आकर्षक रंगों में उपलब्ध हैं। ये वॉशिंग मशीनें आज के जमाने के आधुनिक घरों की खूबसूरती में और चार-चांद लगाएंगी। एआई वॉश और इसके 3-चरण सेंसिंग सिस्टम से लैस ये मशीनें कपड़े के प्रकार और वजन का पता लगाकर प्रत्येक लोड के लिए सबसे उपयुक्त सेटिंग्स की सिफारिश करती हैं। एडवांस्ड एआई एल्गोरिदम की मदद से, यह वॉश साइकल कई प्रमुख मानकों जैसेकि पानी के स्तर, कपड़े धुलने की तीव्रता, और वॉश व रिंस के समय को समायोजित करता है, जिससे कपड़ों की 25% अधिक देखभाल होती है।

दिव्यांगों के जीवन में फिर लौटेगी मुस्कान, नारायण सेवा संस्थान का दूसरा निशुल्क कृत्रिम अंग शिविर रविवार को

इंदौर। दिव्यांगों की सेवा में समर्पित राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एनजीओ नारायण सेवा संस्थान द्वारा प्रदेशभर के दिव्यांगों की सेवार्थ विशाल नि:शुल्क शिविर का आयोजन रविवार 25 मई को इंदौर के गुरु अमरदास बैंक्वेट हॉल, चोइथराम अस्पताल के पास आयोजित होगा।

संस्थान के मीडिया एवं जनसंपर्क निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने बताया -कि ऐसे लोग जिन्होंने किसी हादसे में या अन्य बीमारी के चलते अपना हाथ-पैर गंवा देने से अंगविहिन हुए है, उन्हें दिव्यांगता की तकलीफभरी जिन्दगी से मुक्ति देने संस्थान निस्वार्थ भाव से प्रतिबद्ध है। पदमश्री अलंकृत संस्थापक कैलाश मानव जी की प्रेरणा से संस्थान विगत 40 वर्षों से संस्थान मानवता के क्षेत्र में सेवारत है। मध्यप्रदेश के दिव्यांगजनों को मदद पहुंचाने के संकल्प से विशाल नि:शुल्क दिव्यांगता निवारण ऑपरेशन चयन एवं नारायण लिम्ब मैजरमेंट शिविर इंदौर के गुरु अमरदास बैंक्वेट हॉल में रविवार, 25 मई को प्रात: 8 बजे से सांय 5 बजे तक चलेगा।

प्रेस कांफ्रेंस में निदेशक गौड़ ने बताया कि

नारायण सेवा संस्थान ने पिछले वर्ष 766 दिव्यांगों को सकलांगता का जीवन दिया। अब पुन: दूसरी बार फ्री कैम्प आयोजित है। इसमें दिव्यांग बन्धुओं को संस्थान के अनुभवी एवं विशेषज्ञ ओर्थोटिस्ट एवं प्रॉस्थेटिक डॉक्टर्स टीम द्वारा देखा जाएगा। टीम द्वारा उच्च गुणवत्ता युक्त और वजन में हल्के व टिकाऊ नारायण लिम्ब के लिए व्यवस्थित कास्टिंग कर लिम्ब का माप लिया जायेगा। इन दिव्यांगों को संस्थान लगभग दो माह बाद इनके मेजरमेन्ट के अनुसार मॉड्यूलर कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित कर नि:शुल्क फिटमेंट करेगा। साथ ही संस्थान सर्जन निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयनित करेंगे। जिनका उदयपुर स्थित हॉस्पिटल में सर्जरी होंगी।

आश्रम प्रभारी जसवंत मेनारिया ने बताया कि इस शिविर में आने वाले रोगीयों - परिजनों को नि:शुल्क भोजन, चाय अल्पाहार दिया जाएगा। इस शिविर के लिए संस्थान पदाधिकारीयों ने इंदौर के सम्मानित व्यक्तियों और मंत्रियों को आमन्त्रित किया है।

इस दौरान संस्थान संरक्षक पारस कटारिया, निदेशक गौड़ और आश्रम प्रभारी ने शिविर का पोस्टर जारी किया। संस्थान के मीडिया एवं जनसंपर्क निदेशक ने दिव्यांगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने के लिए अपील करते हुए कहा इस शिविर में भाग लेने के इच्छुक दिव्यांग स्वयं का आधार कार्ड, डिसेबिलिटी प्रमाण पत्र और दिव्यांगता दिखाते हुए 2 फोटो लेकर आए। शिविर संबंधी अधिक जानकारी के लिए संस्थान हेल्पलाइन नम्बर 70235-09999 पर संपर्क करें।

संरक्षक कटारिया ने कहा दिव्यांगों के लिए संस्थान के माध्यम से प्रदेश भर में आगे भी शिविर लगाए जाते रहेंगे। हजारों दिव्यांगों को नई जिंदगी मिलना हमें सेवा के लिए प्रेरणा देता है।

संक्षिप्त समाचार

एयरटेल पेमेंट्स बैंक का मजबूत प्रदर्शन जारी, 2,709 करोड़ का राजस्व दर्ज किया

नईदिल्ली। आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के परिणाम जारी किए। इस साल बैंक को 47.5% की साल-दर-साल वृद्धि के साथ 2,709 करोड़ का राजस्व मिला। कंपनी का शुद्ध लाभ 81.4% बढ़कर 63 करोड़ हो गया। EBITDA 64% साल-दर-साल बढ़कर 299 करोड़ दर्ज हुआ। कस्टमर बैलेंस 30.6% की वृद्धि के साथ 3,659 करोड़ हो गया। सकल व्यापारिक मूल्य (GMV) 3,808 बिलियन रहा। आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक यूज़र बेस के आधार पर देश का तीसरा सबसे बड़ा मोबाइल बैंक है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के अंत में राजस्व पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 34.7% बढ़कर 726 करोड़ रहा। लाभ 138% की साल-दर-साल वृद्धि के साथ 26 करोड़ दर्ज हुआ। पिछले चार सालों में, बैंक ने राजस्व में 44% का मजबूत चक्रवृद्धि प्रदान किया है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ, अनुब्रत बिस्वास ने कहा, इस साल दर्ज हुई मजबूत वृद्धि ने हमारे व्यवसाय का विस्तार और इसमें ग्राहकों का अटूट विश्वास प्रदर्शित किया है। हमारे सेफ सेकंड अकाउंट की पेशकश को लोगों ने तेजी से अपनाया है, जिससे डिजिटल भुगतान के लिए एक सुरक्षित वैकल्पिक बैंक खाते की बढ़ती जरूरत प्रदर्शित होती है। आज देश में हर दो घरेलू प्रेषणों में से एक और हर पाँच आधार-इनेबल्ड भुगतानों में से एक हमारे माध्यम से होता है। हम लगातार आगे बढ़ते हुए हर भारतीय को सरल व सुगम बैंकिंग समाधान प्रदान करने और डिजिटल अंतर को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सेफसेकंड अकाउंट को तेजी से अपनाए जाने के साथ हमारा बैंक विश्वसनीय दैनिक डिजिटल भुगतान के लिए पसंदीदा विकल्प बन गया है। टियर-3 और उससे आगे के क्षेत्रों में बैंक के 5,00,000 सक्रिय बैंकिंग केन्द्र हैं, जिनमें से अधिकांश का संचालन महिला बैंकिंग कॉरेंस्पॉन्डेंट्स द्वारा किया जाता है। बैंक के RuPay NCMC On-The-Go कार्ड की भी मजबूत मांग है, जिसके 2.5 मिलियन से अधिक यूज़र्स हैं। B2B स्पेस में, बैंक मुख्य एग्रीगेटर्स के साथ ऑम्नीचैनल डिजिटल पेमेंट्स में मजबूत वृद्धि दर्ज कर रहा है तथा पांच मुख्य मेट्रो नेटवर्क में आसान पेमेंट की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिनमें DMRC भी शामिल है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक शहरी डिजिटल, अंडरबैंक्ड और इंस्टीट्यूशनल सेगमेंट्स में एंड-टू-एंड डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है। बैंक वार्षिक आधार पर लगभग लगभग 12 बिलियन लेनदेन का प्रसंस्करण करता है और इसकी सेवाएं हर चार में से तीन गाँवों में मौजूद हैं। बैंक द्वारा अपने 6,200+ कॉर्पोरेट पार्टनर्स के साथ हर माह 8,000 करोड़ से ज़्यादा के कैश को डिजिटाइज़ किया जाता है।

होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने लॉन्च की ऑल-न्यू CB750 हॉर्नेट और CB1000 हॉर्नेट SP 'बुकिंग्स शुरू'

गुरुग्राम: होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने आज अपने प्रीमियम पोर्टफोलियो में दो दमदार नई मोटरसाइकलों — CB750 हॉर्नेट और CB1000 हॉर्नेट स्क्र — के लॉन्च की घोषणा की। इन दोनों मोटरसाइकलों की बुकिंग अब खुल चुकी है और इनकी डिलीवरी जून 2025 से शुरू की जाएगी। नई होंडा CB750 हॉर्नेट की कीमत 8,59,500 (एक्स-शोरूम, गुरुग्राम) रखी गई है, जबकि CB1000 हॉर्नेट SP की कीमत 12,35,900 (एक्स-शोरूम, गुरुग्राम) निर्धारित की गई है। CB750 हॉर्नेट देश भर के सभी BigWing Topline और BigWing डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगी, वहीं CB1000 हॉर्नेट SP को केवल BigWing Topline डीलरशिप्स के माध्यम से बेचा जाएगा। नई प्रीमियम मोटरसाइकलों की शुरुआत पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, प्रेसीडेंट और सीईओ श्री त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, भारत का प्रीमियम मोटरसाइकल सेगमेंट वर्षों से शानदार विकास कर रहा है, खासकर उन युवाओं के बीच जो स्टाइल के साथ परफॉर्मेंस की तलाश में रहते हैं। CB750 हॉर्नेट और CB1000 हॉर्नेट SP के लॉन्च के साथ, हम फन बाइकिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करना चाहते हैं। ये मोटरसाइकलें होंडा की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, एग्रेसिव डिज़ाइन और रोमांचक परफॉर्मेंस की विरासत को दर्शाती हैं। हमें पूरा विश्वास है कि ये हॉर्नेट्स उन राइडर्स को जरूर पसंद आएंगी जो एक डायनामिक और स्पोर्टी राइडिंग अनुभव की तलाश में हैं।

होंडा ने भारत में बढ़ाई बाइक बनाने की क्षमता, चौथे प्लांट में शुरू हुई नई लाइन

अहमदाबाद: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (एचएमएसआई), जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री से जुड़ी सहायक कंपनी है, ने अपने चौथे संयंत्र (विठलापुर, ज़िला अहमदाबाद, गुजरात) में चौथी प्रोडक्शन लाइन स्थापित करने की घोषणा की है। यह नई लाइन वर्ष 2027 से चालू होगी और इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 6.5 लाख यूनिट होगी। इसके साथ ही संयंत्र की कुल क्षमता बढ़कर 26.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी, जिससे यह संयंत्र होंडा का विश्व में सबसे बड़ा मोटरसाइकिल असेंबली प्लांट बन जाएगा। फ्लिहाल एचएमएसआई के भारत में कुल चार उत्पादन संयंत्र हैं, जिनकी संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 61.4 लाख यूनिट है। कंपनी ने अप्रैल 2025 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए कुल उत्पादन में 7 करोड़ यूनिट का आंकड़ा पार कर लिया है, जो कि वर्ष 2001 में उत्पादन शुरू करने के 25 वर्षों बाद हासिल हुआ है। विठलापुर स्थित चौथा संयंत्र फरवरी 2016 में 6 लाख यूनिट वार्षिक क्षमता के साथ चालू हुआ था। जून 2016 में दूसरी प्रोडक्शन लाइन जुड़ने से इसकी क्षमता बढ़कर 12 लाख यूनिट हुई और जनवरी 2024 में तीसरी लाइन शुरू होने के साथ यह आंकड़ा 19.6 लाख यूनिट तक पहुँच गया। अब चौथी लाइन की स्थापना के लिए होंडा इस संयंत्र परिसर में लगभग 920 करोड़ रुपये (1 रुपये = 1.75 येन; लगभग 16.1 बिलियन जापानी येन) का निवेश करेगी। यह नई लाइन 125ष्ठ श्रेणी की मोटरसाइकिलों के निर्माण के लिए होगी और सालाना 6.5 लाख यूनिट का उत्पादन करने में सक्षम होगी। इस विस्तार के जरिए 1800 नए रोज़गार के अवसर सृजित होंगे और विठलापुर स्थित होंडा के चौथे संयंत्र की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.1 लाख यूनिट हो जाएगी। जिससे यह संयंत्र होंडा के दुनिया भर के सबसे बड़े मोटरसाइकिल असेंबली प्लांट्स में से एक बन जाएगा।

संपादकीय

आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला पड़ गया

एक दूसरा तरीका यह है कि तमाम देशों ने भारत से लगाव क्यों नहीं जाहिर किया, इस सवाल पर गंभीरता से विचार किया जाए। इस प्रश्न पर आत्म-मंथन की जरूरत है कि आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला पड़ गया है!

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्किये और अजरबैजान ने पाकिस्तान का साथ दिया, इसलिए उन दोनों देशों के प्रति भारत में स्वाभाविक गुस्सा भड़का है। इसे जताने के लिए दोनों देशों के बहिष्कार का अभियान जोर पकड़ गया है। भारतीय सैलानी वहां के लिए अपनी बुकिंग रद्द करवा रहे हैं। भारत सरकार ने भी तुर्किये के सोशल मीडिया हैंडल्स को देश में प्रतिबंधित करवा दिया है। लेकिन इस मुहिम के दौरान एक अजीब किस्म का विरोधाभास नजर आता है। पाकिस्तान का सबसे बड़ा मददगार कोई साबित हुआ है, तो वह चीन है। हालिया टकराव के समय भी उसने अपनी फौलादी दोस्ती निभाई और पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा के लिए अपना समर्थन जताया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्टों पर ध्यान दें, तो संकेत मिलता है कि चीनी हथियार पाकिस्तान के लिए बेहद सहायक साबित हुए। और इस समय जबकि पाकिस्तान से तनाव कायम है, चीन ने भारत से लगी पूर्वी सीमा को गरमाने की कोशिश की है। अरुणाचल प्रदेश पर उसने फिर अपना दावा जता दिया है। मगर चीन के बहिष्कार की बात कहीं गायब है। जबकि चीन का बहिष्कार अधिक आसान है। आखिर भारतीय बाजार चीन में बनी वस्तुओं से भरे पड़े हैं, जिनसे तुरंत तौबा की जा सकती है। बात इतनी ही नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के समय इस्लामी देशों के संगठन ओआईसी ने भी पाकिस्तान का पुरजोर समर्थन किया। इसके सदस्य 57 देशों में यूएई और सऊदी अरब भी हैं, जिन्हें भारत का दोस्त बताया जाता है। उन सबके प्रति भी चुप्पी है। वैसे गुस्सा तो आजमाये हुए दोस्त रूस के प्रति भी होना चाहिए, जिसने इस मौके पर भारत का साथ नहीं दिया। उधर अमेरिका का ट्रंप प्रशासन अपने बयानों से लगातार भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है। तो अपेक्षित यह है कि इन सबके प्रति भी भारतवासी आक्रोश की भावना रखें। या फिर एक दूसरा तरीका यह है कि इन तमाम देशों ने भारत से लगाव क्यों नहीं जाहिर किया, इस सवाल पर गंभीरता से विचार किया जाए। इस प्रश्न पर आत्म-मंथन की जरूरत है कि आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला हो गया है!

भारत पाकिस्तान के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शशि थरूर और असुद्दीन उवैसी गुलाम नबी आजाद की भूमिका

अजय दीक्षित

कांग्रेस नेता और संयुक्त राष्ट्र संघ में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके, सांसद शशि थरूर और सांसद असाउद्दीन ओवैसी का रुख भारत, पाकिस्तान के मध्य वर्तमान तनाव के दौरान जो रहा है उसे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देशवासियों ने सराहा है उससे भारत के महान ब विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व्यवस्था का सिर विश्व भर में ऊंचा हुआ है।यह घटना देश के इतिहास में हमेशा याद रखी जाएगी और इसको पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेई, मौलाना आजाद,की श्रेणी में रखी जाएगी। भारत सरकार ने शशि थरूर, और असुद्दीन उवैसी को उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है जो ब्रिटेन जापान स्पेन रूस, इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, सऊदी अरब, कतर, यमन में जाकर भारतीय पक्ष को रखेगा और इन आयोजनों को भारत की संबंधित देश की काउंसलेट करेगी।यह आयोजन भारत सरकार के मान्यता प्राप्त होंगे। शायद उस मौके के बाद दूसरा मौका होगा जब विपक्ष के नेता भारत सरकार का पक्ष रखते हैं जैसा स्व अटल बिहारी वाजपेई ने 1992 में प्रधानमंत्री नरसिंह राव के समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रखा था। उल्लेखनीय है कि असाउद्दीन ओवैसी हैदराबाद से और शशि थरूर केरल से सांसद हैं। 7 मई 2025 को भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पहलगाम की आतंकी घटना पर ऑपरेशन सिंदूर चलाकर जैश हिजबुल के पाकिस्तान में ठिकानों पर कार्यवाही की थी और उसका समर्थन देश के दिग्गज नेता असुद्दीन उवैसी और कांग्रेस नेता शशि थरूर ने यह कह कर किया था कि भारत सरकार ने सक्षम कार्यवाही की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का समर्थन किया था। ए आई एम् एम के नेता असुद्दीन उवैसी ने कहा कि पाकिस्तान अंतराष्ट्रीय भिखारी है और कोई भी मुसलमान या कुरान को मानने वाला यह नहीं कहता कि निर्दोषों को कत्ल किया जाए। इतना ही नहीं ओवैसी ने कहा कि भारत के मुस्लिम सुरक्षित हैं। दुनियां में सबसे ज्यादा मुसलमान भारत में ही हैं। और प्रगतिशील हैं। सांसद असाउद्दीन ओवैसी देश में भारतीय जनता पार्टी के मुखर विरोधी हैं लेकिन जब देश की बात आती है तो उन्होंने अपना रुख स्पष्ट किया।कई मौकों पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीव्र आलोचना की है। सांसद शशि थरूर का नाम कांग्रेस की ओर से नही आया बल्कि विदेशी मामलों के जानकार, संयुक्त राष्ट्र में दी गई सेवाओं की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से आया है। शशि थरूर ने कहा कि पाकिस्तान को लेकर या किसी अन्य मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की नीति सही है। कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को शशि थरूर की बात गले नहीं उतर पाई है। बल्कि कांग्रेस ने कहा कि शशि थरूर लक्ष्मण रेखा पा र कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से शशि थरूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समन्वय ठीक है। उल्लेखनीय है कि भारत पाकिस्तान युद्ध या तनाव को लेकर और यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप को के सीज फायर के बयान को लेकर कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरना चाहती है और सरकार इस मामले में बचना चाहती है।इसी लिए उसने शरद पवार को भी तब्बजो दी है क्योंकि उन्होंने संसद का सत्र बुलाने की कांग्रेस की मांग पर अपनी अलग राय रखी। इस समय भारत के सभी राजनीतिक दलों में इस भारत पाकिस्तान युद्ध को लेकर समीक्षा जारी है।

बदलते विश्व में होगी भारत की बड़ी भूमिका, बशर्ते हम पिछलग्गू ना बनें

ओंकारेश्वर पांडेय

बीते हफ्ते जब भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बारूदी गुबार के बाद जीत हार के दावे और नुकसान के आकलन कर रहे थे और वाशिंगटन में बैठे राष्ट्रपति ट्रंप बार बार सीज फायर कराने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय ब्रुसेल्स में यूरोप और ब्रिटेन इतिहास के एक नये अध्याय पर हस्ताक्षर कर रहे थे। एक ऐसा इतिहास जो खामोशी से एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय दुनिया की तरफ ले जा रहा था। 19 मई 2025 को ब्रूसेल्स की सर्द हवाओं में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने जो रणनीतिक समझौता किया, उसमें सुरक्षा, रक्षा, यूक्रेन समर्थन, प्रवास, जलवायु, शिक्षा और व्यापार तो शामिल था ही, इसमें अमेरिकी छत्रछाया से इतर एक नया यूरोप बनाने की दृढ़ इच्छा शक्ति की झलक भी थी।

यह समझौता महीनों की उस गोपनीय बातचीत का नतीजा था, जो जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप की दी हुई अपमानजनक उपेक्षा और अवहेलना से शुरू हुई थी। यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है।

इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सुनहरे बालों को हिलाते हुए व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी—उस भारत की जिसने नेहरु के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरु के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

ट्रम्प का तमाशा : तलाक की स्क्रिप्ट- शायद ट्रंप को अंदाज़ा भी नहीं होगा कि यूरोप के प्रति उनके जहरीले बयान विश्व राजनीति की दशा और दिशा ही बदल देंगे। 20 जनवरी 2025 को, वाशिंगटन डीसी में ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली। इसके बाद, 15 मार्च 2025 को पेन्सिलवेनिया की एक रैली में उन्होंने नाटो को बेकार का बोझ ठहराया और यूरोप को अमेरिकी खजाने पर पलने वाला मेहमान बताया। 10 अप्रैल 2025 को टेक्सास में रूढ़िवादी दानदाताओं के सामने उन्होंने ईयू के ग्रीन डील को आर्थिक हत्या करार दिया, यह कहते हुए कि अमेरिकी मज़दूर यूरोप के जलवायु सपनों का बोझ क्यों उठाए?

ट्रंप के ये तीखे बयान कोई तात्कालिक तुनकमिजाजी नहीं थे। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल (2017-2021) भी इसी तरह के तानों से भरा था, जब उन्होंने नाटो को पुराना ढाँचा कहा, जर्मनी को रूस का गुलाम बताया, और ईयू को अमेरिका का लाभ उठाने वाला करार दिया। उस वक़्त तो यूरोप आश्चर्य और सदमे में पड़ गया था, मगर अब, 2025 में, इससे मर्माहत और तिलमिलाये यूरोप की आँखों में रोष है, मुट्ठियाँ बँधी हैं, और इरादे पक्के। ट्रम्प का तलाकनामा यूरोप के लिए एक नई सुबह का न्योता बन गया है।

इसे भी पढ़ें: हूती से हमदर्दी, हमास बना खास, सीरिया से सख्ती हटी, रूस को लाया पास, कुछ अंदाज से और कुछ नजरअंदाज से मंजिल को आसान बनाते ट्रंप

यूरोप की कलम : व्यंग्य में विद्रोह- ट्रम्प के अपमान भरे बयानों ने यूरोप के गौरव को ललकारा, तो यूरोप की कलम ने विद्रोह की स्याही से जवाब लिखा। 5 मई 2025 को, फ्रांस के अखबार ले मॉन्ड ने अपने संपादकीय में लिखा, ट्रम्प ने साफकर दिया कि यूरोप उनके लिए एक पुराना कोट है, जिसे वे कबाड़खाने में फेंकने को तैयार हैं। 20 अप्रैल 2025 को, जर्मनी के डेर स्पीगल ने तंज कसा, ट्रम्प हमें इसलिए नीचा दिखाते हैं, क्योंकि वे शक्ति को केवल बम-बारूद में देखते हैं। मगर यूरोप की ताकत उसकी कूटनीति, उसकी स्थिरता, उसका धैर्य है।

15 अप्रैल 2025 को, ब्रुसेल्स में यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (ईसीएफआर) ने अपने पेपर नो लॉन्गर पार्टनर्स: ए पोस्ट-अटलांटिक यूरोप में ऐलान किया कि ट्रान्सअटलांटिक गठबंधन अब इतिहास की बात है। स्वायत्तता अब सपना नहीं, बल्कि ज़रूरत है। तथ्य यह है कि यूरोप और अमेरिका कभी विश्व मंच के दो जिगरी दोस्त थे। 1949 में दोनों ने मिलकर नाटो की नींव रखी, मार्शल प्लान (1948ङ्क1952) के ज़रिए यूरोप का पुनर्निर्माण किया। 11 सितंबर 2001 को, 9/11 हमलों के बाद नाटो ने पहली बार आर्टिकल 5 लागू किया, और यूरोप के सैनिक अफ़ग़ानिस्तान में अमेरिका के साथ लड़े। 2008 के आर्थिक संकट में, यूरोपीय बैंकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के साथ मिलकर वैश्विक बाजारों को संभाला। मगर ट्रम्प के लिए ये सब पुरानी कहानियाँ हैं, जिन्हें वे लेन-देन के बहीखाते में बदलना चाहते हैं। ट्रम्प माने डील।

ईयू-यूके समझौता: नई राह, नया साथी - ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया। हालांकि इसका अभ्यास जनवरी 2025 से ही गोपनीय रूप से चल रहा था। यह ब्रेक्सिट की कड़वाहट को भुलाने का प्रयास भर नहीं है, बल्कि एक नया रिश्ता है—जिसमें दो पुराने दोस्त नाराज़गी भुलाकर बराबरी के साथ गले मिल रहे हैं।

याद रहे कि ब्रिटेन में कीर स्टार्मर की लेबर सरकार ने जुलाई 2024 में सत्ता संभालते ही यूरोप की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। 18 जुलाई 2024 को, ब्लेनहेम पैलेस में स्टार्मर ने यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट की मेजबानी की। 10 सितंबर 2024 को, विदेश सचिव डेविड लैमी ने ईयू फॉरेन अफेयर्स काउंसिल में भाग लिया। 15 अक्टूबर 2024 को, लंदन और बर्लिन ने ट्रिनिटी हाउस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो एक ऐतिहासिक रक्षा सहयोग था। 1 नवंबर 2024 को, पोलैंड के साथ विशेष साझेदारी की योजना शुरू हुई। ट्रम्प के टेढ़े तेवरों से तिलमिलाये यूरोप ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा दिये हैं।

नाटो का संकट - ट्रम्प ने जो कुछ कहा, उसने नाटो को हिलाकर रख दिया, जैसे कोई पुराना मकान हवा के झोंके से काँप उठे। 15 मार्च 2025 को, पेन्सिलवेनिया में ट्रम्प ने नाटो से निकलने की धमकी दी और 5त्न जीडीपी रक्षा खर्च की माँग की। नाटो के 32 सदस्यों में से 23 अभी तक 2त्न जीडीपी लक्ष्य को ही पूरा करते हैं, 5त्न का लक्ष्य तो दूर की कौड़ी है। तो नाटो का क्या होगा। हालांकि अक्टूबर 2024 में नियुक्त हुए नए महासचिव मार्क रुटे, यूरोपीय खर्च बढ़ाने की वकालत कर रहे हैं, ताकि अमेरिका का साथ बना रहे, लेकिन इस गठबंधन की एकजुटता का असली फैसला तो 10 जून 2025 को द हेग में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में ही होगा। अमेरिकी झटके के बाद ईयू का स्वाभिमान जोर मार रहा है। यूरोप किसी के भरोसे नहीं बैठना चाहता। जनवरी 2024 में ईयू ने यूरोपीय रक्षा संघ की योजना को गति दी, जिसमें क7.5 बिलियन का रक्षा कोष और संयुक्त कमांड सेंटर शामिल हैं। 15 मार्च 2025 को, यूरोपीय रक्षा औद्योगिक रणनीति की घोषणा हुई, एक रक्षा आयुक्त नियुक्त हुआ। यूरोप का रक्षा उद्योग अभी बिखरा हुआ है, और अमेरिकी हथियारों पर निर्भरता एक चुनौती है। मगर, जैसा ईसीएफआर कहता है, द्विपक्षीय समझौतों का जाल यूरोप की सामूहिक शक्ति को बढ़ा सकता है। ये सभी कोशिशें यूरोप की नई उड़ान का परिचय दे रही हैं। ट्रम्प ने यूरोप को न केवल जगा दिया, बल्कि उसे अपने पंखों पर उड़ने की हिम्मत भी दे दी है। ईयू अब एक स्वतंत्र खिलाड़ी बन गया है।

इंडिया की याद - यूरोपीय ब्रूगल थिंक टैंक ने अपने एक विश्लेषण में ठीक कहा कि, ट्रम्प का पीछे हटना जोखिम के साथ अवसर लाता है। तो जब ट्रम्प ने तलाक का नोटिस थमाया, तो यूरोप ने नए दोस्त की तलाश में भारत की ओर देखा। 10 फरवरी 2025 को, नई दिल्ली में ईयू-भारत शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें ईयू अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हुईं। इसमें 2021 के भारत-ईयू रणनीतिक रोडमैप को विस्तार देने का फैसला किया गया। व्यापार वार्ताएँ दिसंबर 2025 तक मुक्त व्यापार समझौते की ओर बढ़ रही हैं।

भारत और ईयू के बीच व्यापार 2024 में क120 बिलियन तक पहुँचा, और 2025 में यह और बढ़ने की उम्मीद है। भारत की जीडीपी वृद्धि 2024 में ठीक रही, और उसका रक्षा निर्यात 2025 में 5 बिलियन तक पहुँचने की राह पर है। टाटा और इन्फोसिस जैसी कंपनियाँ यूरोप में डेटा सेंटर और एआई परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं। रक्षा में, भारत का तेजस लड़ाकू विमान और ब्रह्मोस मिसाइल यूरोप के रडार पर हैं। ईयू के साथ भारत की दोस्ती वैश्विक शक्ति संतुलन को नया आकार दे सकती है। भारत अगर नेहरू की पुरानी गुटनिरपेक्ष नीति पर चला तो यह उसे अमेरिका, ईयू और ग्लोबल साउथ के बीच संतुलन बनाने की ताकत दे सकता है।

विश्व मंच का नया रंगमंच - इसी साल जनवरी में ईयू ने रूस से गैस आयात को 2027 तक खत्म करने की योजना की घोषणा की। ईयू की जीडीपी (18.8 ट्रिलियन, 2024) अमेरिका के बराबर है, इसकी आबादी (450 मिलियन) उससे अधिक है, और इसकी नियामक शक्ति (जैसे जीडीपीआर) वैश्विक बाजारों को आकार देती है। एआई और हरित प्रौद्योगिकी में ईयू के मानक अब वैश्विक बेंचमार्क हैं।

उधर चीन अपनी बेल्ट एंड रोड 2.0 और तकनीकी निर्यात के साथ अमेरिका के पीछे हटने का फायदा उठा रहा है। रूस, पश्चिम से अलग-थलग, नाटो की दरारों और वाशिंगटन-ब्रुसेल्स के अविश्वास से मजे ले रहा है। मगर भारत? वह विश्व मंच का नया नायक बनने की स्थिति में है। भारत का व्यापार, तकनीक और रक्षा में बढ़ता प्रभाव उसे यूरोप का पसंदीदा साझेदार बनाता है।

अमेरिकी प्रभुत्व का अंत? - 20 मार्च 2025 को, स्ट्रासबर्ग में उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, यूरोप अब अमेरिकी चुनावों का मोहरा नहीं रहेगा। हम संप्रभु हैं। यह भाषण यूरोप की नई हिम्मत का प्रतीक था। यह संप्रभुता ट्रम्प के तमाशे की देन है। नए गठबंधन बन रहे हैं, और ग्लोबल साउथ—भारत, ब्राजील, इंडोनेशिया—इसे उत्सुकता से देख रहे हैं। 10 मई 2025 को, पूर्व इतालवी प्रधानमंत्री एनरिको लेट्टा ने कहा, ट्रम्प ने यूरोप को एकजुट किया—दोस्ती से नहीं, आग से। शायद ट्रंप अनजाने में यूरोपीय स्वायत्तता के वाहक बन गए।

पर क्या भारत तैयार है? - ईयू-यूके समझौता एक बड़े बदलाव का प्रतीक है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व, जो अमेरिका के इर्द-गिर्द घूमता था, अब बदल रहा है। यह समझौता कोई रीसेट नहीं, बल्कि एक हिसाब है। ट्रम्प के फैसलों ने यूरोप को करारा झटका और सदियों का सबक दिया है। इसीलिए उसे इंडिया की याद आ रही है। सवाल है कि क्या भारत तैयार है? जवाब तभी मिलेगा जब भारत संप्रभुता, सौम्यता और रणनीतिक गहराई के साथ कूटनीति करे। भारत को एक गंभीर, एकजुट, मजबूत और दूरदर्शी राष्ट्र की भूमिका निभानी होगी। इससे भी जरूरी है कि हम किसी देश के पिछलग्गू ना बनें। ट्रंप की दोस्ती ने भारत को कहीं का नहीं छोड़ा है। बेहतर हो कि हम गुट निरपेक्ष ही रहें। क्योंकि यह नया युग है। इसमें कोई एक ध्रुव नहीं, बल्कि कई केंद्र हैं कूटनीति की सफलता विनम्रता से होती है, न जोर-जबरदस्ती और ना ही लप्पी झप्पी से। भारत पाक के बीच ताजा झड़प में हमने देख लिया कि कौन हमारे साथ खड़ा है। हमें आत्मावलोकन करना होगा। बयानबाज़ी और कड़े तेवर नहीं, बल्कि विनम्रता और धैर्य इस नए दौर की राजनयिक मुद्रा होगी। ये कहना ठीक है कि हमें दोस्त चाहिए, लेकिन ये कहना कि हमें उपदेश देने वाले नहीं चाहिए, राजनय की भाषा नहीं हो सकती। बेहतर डिप्लोमेसी खामोशी और मधुरता से होती है। एक अच्छा कूटनीतिज्ञ वह होता है जो तब भी एक दुश्मन का मित्र बना रहे, जब वह उसे नष्ट करने की योजना बना रहा हो। कूटनीति में लहरों को नहीं, धारा को पहचानना होता है। विंस्टन चर्चिल ने कहा था: कूटनीति लोगों को नरक में जाने के लिए इस तरह से कहने की कला है, कि वे रास्ते पूछें।

ऑपरेशन सिंदूर: राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान का संगम

सुश्री लक्ष्मी पुरी

ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट किया है कि भारत वैधता नहीं चाहता है। देश न्याय चाहता है। भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए।

पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी कृत्य के प्रति भारत की जवाबी प्रतिक्रिया - ऑपरेशन सिंदूर, जो अभी भी जारी है ङ्क आतंकवाद-रोधी और सैन्य सिद्धांत तथा रुख में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। अपने जोशीले भाषण में, जिसकी गूंज पूरे भारत और दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में सुनायी दी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा करते हुए कहा कि सीमा-पार आतंकवाद के किसी भी कृत्य के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई की एक नई सामान्य स्थिति स्थापित की गई है।

कोई भी देश, जो आतंकवादी अवसंरचना को पनाह देता है, उसे वित्तीय मदद देता है और उसका पोषण करता है, उसे अपने सैन्य बलों के साथ जोड़ता है और निर्दोष नागरिकों के खिलाफ क्रूर हमलों के लिए भारत को निशाना बनाता है, उसे त्वरित, दंडात्मक और प्रतिशोधी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। सोची-समझी सैन्य कार्रवाई से न केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बीच में भी आतंकवादी नेटवर्क ध्वस्त हो जाएंगे, भले ही राज्य प्रायोजित आतंकवादी ठिकाने आधिकारिक सुरक्षा संरचनाओं के साथ कितने भी जुड़े हुए हों।

सिंदूर सिद्धांत, भारत की संप्रभुता और सभ्यतागत लोकाचार को बनाए रखने में निहित है। इसका उद्देश्य इसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना, आंतरिक एकता, सद्भाव और शांति सुनिश्चित करना और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए देश को त्वरित आर्थिक विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है। यह सीमा-पार आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता के रुख की पुष्टि करता है और भारत को अपने सुरक्षा हितों की रक्षा में निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध करता है, जिसे पुनर्परिभाषित और विस्तृत किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है: भारत के खिलाफ़ किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई युद्ध मानी जायेगी - अब कोई संदेह की स्थिति नहीं है, किसी दूसरे तरीके से युद्ध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, आतंकवाद से होने वाले नुकसान के आगे हार नहीं मानी जाएगी। ऑपरेशन के बाद राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष प्रधानमंत्री का संबोधन सफलता की पुष्टि से कहीं अधिक था। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिए गए इस संबोधन ने एक नई रणनीतिक व्यवस्था का अनावरण किया- दृढ़, गरिमापूर्ण और भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित।

इसने एक सरल लेकिन दृढ़ संदेश दिया: भारत शांति में विश्वास करता है, लेकिन शांति को शक्ति का समर्थन होना चाहिए। अपने मूल में, प्रधानमंत्री मोदी का सिंदूर सिद्धांत तीन अलग सिद्धांतों पर जोर देता है, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। पहला, भारत उन देशों के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा, जो आतंक को बढ़ावा देते हैं; जब बातचीत फिर से शुरू होगी, तो यह द्विपक्षीय होगी तथा इसमें केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर चर्चा होगी। दूसरा, भारत आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों के साथ आर्थिक संबंधों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है तथा व्यापार और राष्ट्रीय सम्मान के बीच एक सुदृढ़ रेखा खींचता है। अंत में, भारत अब परमाणु धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा- ऑपरेशन सिंदूर ने निर्णायक रूप से उन सभी भ्रमों को तोड़ दिया है कि परमाणु खतरे, आतंकी कृत्यों के ढाल बन सकते हैं।

सिंदूर नाम का चयन गहन सांस्कृतिक प्रतीकात्मकता को रेखांकित करता है। विवाहित हिंदू महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला लाल सिंदूर - पीड़ित होने के रूपक के रूप में नहीं, बल्कि पवित्र कर्तव्य और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया। आतंकवादियों ने इस सम्मान को अपवित्र करने की कोशिश की; भारत ने पूरी ताकत के साथ जवाब दिया। व्यक्तिगत राजनीतिक हो गया, सांस्कृतिक रणनीतिक हो गया। चूंकि आतंकी हमला कश्मीर में हुआ था, जो भारत माता का भौगोलिक और प्रतीकात्मक सिर है, इसलिए ऑपरेशन सिंदूर भारत माता की रक्षा करने और उसे सलाम करने के लिए है। भारत की प्रतिक्रिया एक सैद्धांतिक विरासत का अनुसरण करती है।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र से लेकर 1980 के दशक के इंदिरा सिद्धांत तक तथा 1998 में पोखरण-द्वद्ध परीक्षणों के जरिए वाजपेयीजी के साहसिक परमाणु दावे से लेकर —जिसने वैश्विक दबावों और प्रतिबंधों के बावजूद भारत के आत्मरक्षा के संप्रभु अधिकार की पुष्टि की और विश्वसनीय न्यूनतम अवरोध की नीति स्थापित की—से लेकर उरी और बालाकोट में प्रदर्शित मोदी सिद्धांत तक, भारतीय शासन नीति ने लंबे समय से संकट के समय और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों में संप्रभु निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

सिंदूर सिद्धांत इसे आगे बढ़ाता है, आत्मविश्वास से भरे भारत ने इसका समर्थन किया है। देश अपने मूल हितों तथा अपने नागरिकों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए स्वतंत्र व मजबूती से काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भू-राजनीतिक रूप से, इस ऑपरेशन ने क्षेत्रीय उम्मीदों को फिर से स्थापित किया है। आतंकवाद के लिए ढाल के रूप में परमाणु शक्ति का इस्तेमाल करने के आदी पाकिस्तान का सीधे सामना किया गया है। दंड से मुक्ति का भ्रम टूट गया है।

चीन, हालांकि औपचारिक रूप से तटस्थ है, उसे अपने सहयोगी की कमज़ोरी को समझना होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका से लेकर रूस तक, वैश्विक शक्तियाँ भारत को बाहरी संकेत या समर्थन की प्रतीक्षा किए बिना कार्रवाई करते हुए देख रही हैं। अन्य पड़ोसियों को अब अपनी दुर्भावना और भारत विरोधी कार्रवाइयों के परिणामों का आकलन करना चाहिए।

पिछले 11 वर्षों में, भारत ने कई भौगोलिक क्षेत्रों में और प्रमुख शक्तियों के साथ द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी का एक सघन और मजबूत नेटवर्क सफलतापूर्वक निर्मित किया है। इसने बहुपक्षीय और लघुपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग व्यवस्थाओं में भाग लिया है और मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, प्रमुख शक्तियों और इन साझेदारियों से जुड़े भारत के कई रणनीतिक और रक्षा संबंध अग्नि परीक्षा से गुजरे।

पहलगाम के बाद, संतोषजनक बात यह थी कि हमारे भागीदारों द्वारा आतंकवादी हमलों की सार्वभौमिक निंदा की गयी। हालाँकि, ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तीव्र कार्रवाई के बाद, परमाणु-संपन्न पड़ोसियों के बीच तनाव बढ़ने के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं। प्रतिक्रियाएँ इस बात से भी प्रभावित थीं कि इस सैन्य संघर्ष में उनके हथियार प्रणालियों ने कैसा प्रदर्शन किया या कि क्या प्रदर्शन करने में विफल रहे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमें न केवल अपने रणनीतिक साझेदारों को सावधानी से चुनना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ये साझेदारियाँ सिंदूर सिद्धांत को शामिल करती हों।

इसका मतलब यह है कि उन्हें पाकिस्तान पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके उसके आतंकी ठिकानों को खत्म करना चाहिए और राज्य-नीति के रूप में आतंकवाद का परित्याग करना चाहिए। यदि हमें पाकिस्तानी आतंकवादी-सैन्य ढांचे के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करना पड़ता है, तो उन्हें हमारे साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। दुष्टों के लिए कोई शरणस्थली नहीं, कोई बचाव नहीं।

लहसुन छीलना नहीं लगेगा झंझट!

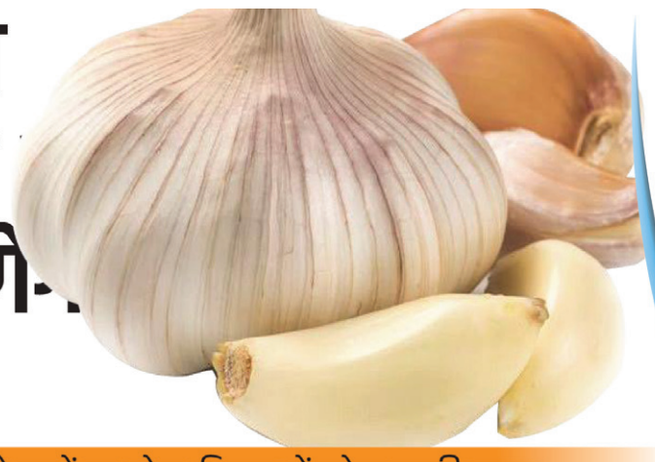

5 ट्रिक्स बना देंगे इसे बच्चों का खेल, किचन में बचेगा काफी समय

आज हम आपको लहसुन छीलने के ऐसे 5 कमाल के ट्रिक्स बताएंगे, जो इस काम को इतना आसान बना देंगे कि यह आपको बच्चों का खेल लगेगा। जी हां, इन ट्रिक्स से न सिर्फ आपका समय बचेगा, बल्कि आप बिना किसी झंझट के ढेर सारा लहसुन मिनटों में छीलकर एक तरफ रख देंगे। आइए जानें।

गर्म पानी से बनेगा काम

सबसे पहले लहसुन की कलियों को अलग करके एक कटोरी में डालें। अब इन कलियों पर गर्म पानी डालें और 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। बता दें, गर्म पानी से लहसुन की ऊपरी परत नरम हो जाती है। ऐसे में, आप देखेंगे कि छिलके आसानी से उतर जाएंगे और आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

माइक्रोवेव का इस्तेमाल

अगर आप जल्दी में हैं, तो माइक्रोवेव भी आपके काम आ सकता है। जी हां, लहसुन की कुछ कलियों को अलग करके एक माइक्रोवेव-सेफ बाउल में रखें और इसे 10-15 सेकंड के लिए माइक्रोवेव कर लें। माइक्रोवेव की गर्मी से छिलके ढीले पड़ जाते हैं। ऐसे में, बस हल्का सा दबाने पर ही छिलका अलग हो जाएगा।

'शेक-शेक' मेथड

यह तरीका तब काम आता है जब आपको एक साथ बहुत सारा लहसुन छीलना हो। इसके लिए लहसुन के पूरे गांठ को तोड़कर कलियां अलग कर लें। अब इन कलियों को एक बड़े स्टील के कटोरे या दो बराबर साइज के कटोरे में डालें। फिर कटोरे को कसकर बंद करें और तेजी से 30-60 सेकंड तक शेक करें। ऐसा करने पर लहसुन की कलियां आपस में टकराकर अपने छिलके छोड़ देती हैं, फिर आप देखेंगे कि ढेर सारे छिलके कटोरे में अलग हो गए हैं।

सिलिकॉन गार्लिक पीलर

यह एक छोटा-सा गैजेट है जो बहुत काम का है। अगर आपके पास सिलिकॉन गार्लिक पीलर है, तो लहसुन की कली को उसके अंदर डालें। अब इसे हथेली से रोल करें और फिर कुछ ही सेकंड में छिलका अलग हो जाएगा और कली बाहर आ जाएगी। यह भी लहसुन छीलने का बहुत साफ और असरदार तरीका है।

कैसे करें असली 'जरी' वाली साड़ी की पहचान

वरना डूब जाएंगे सारे पैसे

हमारे यहां भारत में कई तरह के ट्रेडिशनल ड्रेस पहने जाते हैं। साड़ी और लहंगा से लेकर कुर्ता पजामा तक, हर पोशाक का अपना ही महत्व है। हर राज्य में अलग-अलग तरह के ड्रेस पहने जाते हैं। इन्हें खास तरह से डिजाइन किया जाता है। साड़ी भी उन्हीं में से एक है। आजकल तो कई तरह की साड़ियां मिलने लगी हैं। हम आपको असली-नकली जरी की कढ़ाई पहचानने का तरीका बताने जा रहे हैं।

चमक पर दें ध्यान

जरी का काम उसकी चमक को दर्शाता है। सोना-चांदी खरीदते हैं तो जो चमक नजर आती है, ठीक वैसे ही जरी के कामों पर भी होता हे। अगर चमक फीकी है तो इसका साफ मतलब है कि ये नकली है। इसे खरीदने से पहले बाहर आकर रोशनी में इसकी कढ़ाई जरूर चेक करें।

बुनाई पर दें ध्यान

आपको बता दें कि असली जरी वर्क में कोई भी धागा बाहर नहीं निकलता है। इसमें बड़ी बारीकी से काम किया गया होता है। दरअसल, असली जरी में रेशम या कॉटन के धागे का इस्तेमाल किया गया होता है, जिस पर सोने या चांदी की परत चढ़ी होती है। ऐसे में अगर साड़ी या दुपट्टे में कोई भी धागा रगड़ने पर बाहर आ जाए तो आप इसे न खरीदें, वरना आपके पैसे बर्बाद हो सकते हैं।

वजन चेक करें

असली जरी वाली कढ़ाई का भार ज्यादा होता है। जब आप जरी वाले कपड़ों को हाथ में उठाएंगे तो आपको ठोसपन महसूस होगा। अगर आपको ऐसा महसूस नहीं हो रहा है तो ये नकली हो सकता है।

साड़ियों पर कई तरह के काम किए जाते हैं। चिकनकारी हो या जरी की कढ़ाई वाली साड़ी, इन्हें पहनने पर रॉयल लुक नजर आता है। भारत में जब भी साड़ी, सूट या हैवी दुपट्टे की बात होती है तो सबसे पहले जहन में चिकनकारी या जरी का ही ख्याल आता है। जरी की बात करें तो कपड़ों पर चमकदार सोने और चांदी के धागों से कढ़ाई की जाती है, जो दिखने में भी काफी सुंदर लगती है। जरी का काम तो हर किसी को पसंद आता है। जानकारी न होने के चलते दुकानदार ग्राहकों से मोटी रकम लेते हैं और उन्हें नकली कढ़ाई वाले कपड़े पकड़ा देते हैं।

बच्चों के कान छिदवाने के फायदे

हिंदू धर्म में 16 संस्कारों में एक कर्ण वेद संस्कार है, जिसे कान छेदना कहते हैं। कान छेदने का धार्मिक महत्व तो है ही, इसके साथ-साथ कान छेदने के स्वास्थ्य लाभ भी अनेक हैं। बचपन में ही बच्चों के कान छेद दिए जाते हैं। कान सिर्फ फैशन के लिए या सुंदर दिखने के लिए ही नहीं छिदाए जाते, बल्कि इससे बच्चे को कई फायदे होते हैं। आम तौर पर बच्चे के कान पांचवें या सातवें महीने में छेदे जाते हैं, हालांकि लोग अपने-अपने रीति रिवाजों के अनुसार कभी भी बच्चे के कान छेद सकते हैं।

आंखों की रोशनी होती है तेज

कहते हैं कान छिदवाने से आंखों की रोशनी तेज होती है। दरअसल, कान का बीच का हिस्सा हमारे आंखों से जुड़ा होता है इस पर प्रेशर पड़ने से हमारी आंखे तेज होती हैं।

ब्रेन के लिए भी है लाभदायक

कहते हैं, कान छिदवाने से मस्तिष्क का विकास भी होता है। इयर लोब में मेरिडियन पॉइंट होता है, जो मस्तिष्क के दाएं और बाएं साइड से जुड़ा होता है। इस पॉइंट को छेदने से मस्तिष्क के इन हिस्सों को सक्रिय करने में मदद मिलती है।

सुनने की क्षमता बढ़ती है

कान के नीचे वाले हिस्से पर मास्टर सेंसोरल और मास्टर सेरेब्रल नाम के 2 इयर लोब्स होते हैं। इस हिस्से के छिदने से सुनने की क्षमता बढ़ती है। रेसपायरेटरी हेल्थ के लिए एक्यूप्रेशर पाइंट आपके रेसपायरेटरी हेल्थ को उत्तेजित करता है, जिससे अस्थमा, टीबी जैसी बीमारियों से बचाव होता है।

चेहरे पर निखार ला सकता है चावल का पानी

ऑयली स्किन से ज्यादातर लड़कियां परेशान रहती है। मानसून के सीजन में ह्यूमिडिटी के कारण स्किन ज्यादा ऑयली और चिपचिपी हो जाती है। इसी वजह से पिंपल्स, एक्ने जैसी स्किन प्रॉब्लम बढ़ जाती है। इन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए हम कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते है, जो ज्यादा समस्या पैदा करते हैं। अगर आप भी इन समस्याओं से परेशान हैं और कुछ घरेलू उपाय ढूंढ रहे हैं, तो आज हम आपके लिए राइस वॉटर (चावल का पानी) के उपाय बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं राइस वॉटर से जुड़े टिप्स।

क्लींजर की तरह करता है काम

राइस वॉटर स्किन के लिए क्लींजर की तौर पर काम करता है। इसे आप कॉटन से चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं और सूखने दें। इससे स्किन साफ हो जाएगी।

पिंपल की समस्या होगी दूर

राइस वॉटर पिंपल्स के लिए बहुत फायदेमंद है, इससे पिंपल के दाग, सूजन कम की जा सकती है। राइस वॉटर नए पिंपल को निकलने से रोकता है। राइस वॉटर को चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और इसे सूखने बाद धो लें।

रूखी स्किन के लिए

अगर आपकी स्किन बहुत ड्राई है, तो आप राइस वॉटर को नहाने के पानी में मिला लें। इससे आपको बहुत राहत मिलेगी।

एंटी एजिंग की खूबियां

राइस वॉटर में एंटी एजिंग की खूबियां होती हैं। जो स्किन को टाइट करता है, इससे स्किन का कलर साफ होता है। यह स्किन को हाइड्रेट कर इसकी नमी लौटाता है। राइस वॉटर को आप स्किन पर लगा कर छोड़ दें, जब यह सूख जाए, तो धो लें।

इस तरह बनाएं राइस वॉटर

राइस वॉटर बनाने के लिए एक कटोरी में चावल डालें और इसे अच्छी तरह से धो लें। फिर चावल को रात भर के लिए भिगोकर रख दें। सुबह तक चावल फूल जाएंगे और माड़ दिखने लगेगा। अब इसे छानकर किसी बॉटल में भर लीजिए। रोजाना इसे टोनर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

सुरक्षित पेयजल
जलजनित बीमारियों की रोकथाम स्वच्छ और सुरक्षित पानी तक पहुंच सुनिश्चित करने से शुरू होती है। केवल फ़िल्टर्ड या उबला हुआ पानी पिएं। इन्फेक्शन को रोकने के लिए पानी के जार या कंटेनर्स को रोजाना धोना चाहिए। दुर्भाग्य से, दुनिया भर में लाखों बच्चों अभी भी बेहतर जल स्रोतों से वंचित है, जिससे वे रोकथाम योग्य बीमारियों के प्रति संवेदनशील हैं। इसके अतिरिक्त, संभावित जोखिम की पहचान करने के लिए पानी की गुणवत्ता की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण है।

बच्चों में गंदे पानी से फैलने वाली बीमारियों से ऐसे करें रोकथाम

टीकाकरण
कुछ जलजनित बीमारियों को रोकने में टीकाकरण एक शक्तिशाली उपकरण है। यह सुनिश्चित करना कि बच्चों को समय पर टीकाकरण मिले, इससे न केवल उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा होती है, बल्कि टीकाकण जो उन लोगों की भी रक्षा करता है जो किसी दूसरी बीमारियों की वजह से वैक्सीन लगवाने के योग्य नहीं।

साफ-सफाई
स्वच्छता और साफ-सफाई जलजनित रोग की रोकथाम की आधारशिला हैं। जल प्रदूषण को रोकने के लिए मानव अपशिष्ट का उचित निपटान, पानी का सुरक्षित भंडारण और पानी के कंटेनरों की नियमित सफाई आवश्यक हैं। सरकारों और संगठनों को समुदायों को बेहतर स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करने, अच्छी स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए जो बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करती हैं और जलजनित बीमारियों के खतरे को कम करती हैं।

पहचान और उपचार : जलजनित बीमारियों की समय पर पहचान और प्रबंधन उसकी जटिलताओं को रोकने और पूर्ण स्वस्थ होने को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। हेल्थ एक्सपर्ट्स को इन बीमारियों के लक्षणों और संकेतों की पहचान में सतर्क रहना चाहिए, खासकर छोटे बच्चों में जिन्हें अपनी परेशानी बताने में कठिनाई हो सकती है। लक्षणों की पहचान कर तुरंत उपचार शुरू कर देना चाहिए। जिससे स्थिति को गंभीर होने स रोका जा सकता है।

शिक्षित करना : शिक्षा पानी की वजह से होने वाली बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। माता-पिता और देखभाल करने वालों को पीने, खाना पकाने और व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए सुरक्षित पानी के उपयोग के महत्व के बारे में समझाना आवश्यक है। सही तरीके से हाथ धोना, भोजन करने से पहले और शौचालय का उपयोग करने के बाद, हाथों के जरिए फैलने वाले इन्फेक्शन को कम करने में काफी मदद कर सकता है। स्वास्थ्य संगठनों को, स्कूलों और समुदाय के नेताओं के साथ, कम उम्र से ही हेल्थ कितना जरूरी है ये बताना चाहिए।

बच्चों में गंदे पानी से फैलने वाली बीमारियों से ऐसे करें रोकथाम

सुरक्षित पेयजल
जलजनित बीमारियों की रोकथाम स्वच्छ और सुरक्षित पानी तक पहुंच सुनिश्चित करने से शुरू होती है। केवल फ़िल्टर्ड या उबला हुआ पानी पिएं। इन्फेक्शन को रोकने के लिए पानी के जार या कंटेनर्स को रोजाना धोना चाहिए। दुर्भाग्य से, दुनिया भर में लाखों बच्चों अभी भी बेहतर जल स्रोतों से वंचित है, जिससे वे रोकथाम योग्य बीमारियों के प्रति संवेदनशील हैं। इसके अतिरिक्त, संभावित जोखिम की पहचान करने के लिए पानी की गुणवत्ता की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण है।

शिक्षित करना

शिक्षा पानी की वजह से होने वाली बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। माता-पिता और देखभाल करने वालों को पीने, खाना पकाने और व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए सुरक्षित पानी के उपयोग के महत्व के बारे में समझाना आवश्यक है। सही तरीके से हाथ धोना, भोजन करने से पहले और शौचालय का उपयोग करने के बाद, हाथों के जरिए फैलने वाले इन्फेक्शन को कम करने में काफी मदद कर सकता है।

टीकाकरण

कुछ जलजनित बीमारियों को रोकने में टीकाकरण एक शक्तिशाली उपकरण है। यह सुनिश्चित करना कि बच्चों को समय पर टीकाकरण मिले, इससे न केवल उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा होती है, बल्कि टीकाकण जो उन लोगों की भी रक्षा करता है जो किसी दूसरी बीमारियों की वजह से वैक्सीन लगवाने के योग्य नहीं।

साफ-सफाई

स्वच्छता और साफ-सफाई जलजनित रोग की रोकथाम की आधारशिला हैं। जल प्रदूषण को रोकने के लिए मानव अपशिष्ट का उचित निपटान, पानी का सुरक्षित भंडारण और पानी के कंटेनरों की नियमित सफाई आवश्यक हैं। सरकारों और संगठनों को समुदायों को बेहतर स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करने, अच्छी स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए जो बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करती हैं और जलजनित बीमारियों के खतरे को कम करती हैं।

पहचान और उपचार

जलजनित बीमारियों की समय पर पहचान और प्रबंधन उसकी जटिलताओं को रोकने और पूर्ण स्वस्थ होने को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। हेल्थ एक्सपर्ट्स को इन बीमारियों के लक्षणों और संकेतों की पहचान में सतर्क रहना चाहिए, खासकर छोटे बच्चों में जिन्हें अपनी परेशानी बताने में कठिनाई हो सकती है।

वजन घटाने में उपयोगी हैं किचन में मौजूद ये मसाले

हल्दी

हल्दी भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाला एक आम मसाला है, जो आयुर्वेदिक दवाओं में इस्तेमाल की जाने वाली एक शक्तिशाली सामग्री भी है। हल्दी में करक्यूमिन की अच्छाइयां और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर कंपाउंड पाए जाते हैं, जो फैट टिशू की सूजन को कम कर वजन घटाने में सहायता कर सकते हैं।

काली मिर्च

काली मिर्च, जिसे ब्लैक पेपर के नाम से भी जाना जाता है, एक जरूरी भारतीय मसाला है, जिसमें पिपेरिन नामक एक कंपाउंड होता है, जिसमें थर्मोजेनिक गुण होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ा सकते हैं और फैट बर्न होने में मदद करते हैं।

अश्वगंधा

अश्वगंधा तनाव और कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में मदद करता है, जिससे बेहतर वजन प्रबंधन हो सकता है और इंसुलिन असंतुलन में भी सुधार होता है।

अदरक

अदरक, जिसे अंग्रेजी में जिंजर के नाम से भी जाना जाता है, एक आम मसाला है, जो पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो पाचन में मदद कर भूख को नियंत्रित करता है, जिससे यह वजन प्रबंधन के लिए उपयोगी साबित होता है।

दालचीनी

दालचीनी किचन में इस्तेमाल होने वाला एक और आम मसाला है, जो ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती है। साथ ही यह अत्यधिक इंसुलिन स्पाइक्स को रोकने और हृदय स्वास्थ्य में भी सुधार करती है। वजन घटाने के लिए भी दालचीनी बेहद फायदेमंद है।

कड़ी पत्ता

कड़ी पत्ता जिसे करी लीव्स के नाम से भी जाना जाता है, पाचन में सुधार करने के साथ ही फैट जमा होने से रोकने में मदद करता है, जो वजन घटाने में सहायता करता है।

गुग्गुल

गुग्गुल को कॉमिफोरा वाइटी के नाम से भी जाना जाता है, जो अपने शक्तिशाली गुणों के लिए जाना जाता है। यह मेटाबॉलिज्स को बढ़ावा देने में मदद करता है और फैट के टूटने में सहायता करता है, जो वजन घटाने में योगदान कर सकता है।

त्रिफला

यह आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी तीन फलों आंवला, हरीतकी और बिभीतकी से मिलकर बनती है। यह अपने उपचार और विषहरण गुणों के लिए जाना जाता है।

व्रत में आप अन्न का सेवन नहीं कर सकते हैं। अक्सर घरों में व्रत वाले दिन साबूदाना खिचड़ी ही बनती है, लेकिन आप साबुदाना खाकर बोर हो गए हैं, तो आप व्रत वाले ढोकले बना सकते हैं। आज हम आपको समक के चावल से बनने वाले ढोकले की रेसिपी बताएंगे।

ढोकला

आवश्यक सामग्री
समक चावल का आटा- 1 कप, दही-1/2 कप, पानी-1/2 कप, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट-1 चम्मच, सेंधा नमक- 1/2 चम्मच, तेल-1 बड़ा चम्मच, ईनो- 1 चम्मच, हरा धनिया (गार्निश के लिए)

तड़के के लिए:
तेल- 1 बड़ा चम्मच, राई- 1/2 चम्मच, करी पत्ते- 8-10

बनाने की विधि

⏭व्रत वाले ढोकले बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल लें। अब इसमें समक चावल का आटा, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, सेंधा नमक, दही, पानी और तेल डाल लें। इसे अच्छी तरह फेंटकर एक चिकना बैटर तार कर लें। अब इसे 10-15 मिनट के लिए ढक कर साइड में रख दें।

⏭एक बर्तन में पानी भरकर और ऊपर स्टीमिंग प्लेट या मोल्ड रखकर स्टीमर तैयार कर लें और मोल्ड को तेल से चिकना कर लीजिए।

10-15 मिनट बाद बैटर में ईनो मिलाकर अच्छे से एक दिशा में धीरे-धीरे मिलाएं। बैटर में जब झाग आ जाए तो इसे तेल लगे मोल्ड में डालें और अच्छे से पूरे मोल्ड में फैला दें। मोल्ड को स्टीमर में रखें और ढक्कन से ढक दें। लगभग 15-20 मिनट तक इसे पकाएं अब टूथपिक से या चम्मच से चेक करें कि ढोकला पक गया है या नहीं, अगर आपकी टूथपिक या चम्मत ढोकले में डालने से साफ निकलती है तो मतलब ढोकला पक चुका है।

⏭अब इसे स्टीमर से निकाल लें और कुछ मिनट के लिए ठंडा होने दें। जब ढोकले वाला मोल्ड ठंडा हो जाए तो इसे मनचाहे शेप में काट लें।

⏭एक पैन में तेल डाले और तेल गर्म हो जाने के बाद इसमें राई का तड़का लगाएं। इसके बाद इसमें करी पत्ता डाल लें। आप चाहें को तड़के में सूखी लाल मिर्च भी डाल सकते हैं।

⏭तड़के को कटे हुए ढोकला के टुकड़ों के ऊपर डालें और ताजी कटी हुई हरी धनिया से इसे गार्निश करें।

⏭आपका व्रत वाला ढोकला तैयार है इसे हरी चटनी या मीठी चटनी के साथ सर्व करें।

धान की पैदावार कम हो इसलिए किसानों को बांट रहे कम पैदावार वाले खाद : राकेश ठाकुर

धान खरीदी न करना पड़े इसलिए सरकार कर रही साजिश

पाटन (समय दर्शन)। विधानसभा क्षेत्र के सेवा सहकारी समिति सांकरा, जामगांव(एम) व तर्रा का जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग (ग्रामीण) राकेश ठाकुर ने किसानों से लगातार मिल रहे शिकायत को देखते हुवे शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया ।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि समितियों में डीएपी खाद जो किसानों को अधिकतम पसंद है व डीएपी खाद से ही किसानों को सबसे ज्यादा पैदावार होता है उस खाद को धीरे धीरे बंद कर करने जा रही है। कुछ समितियों को ही छोड़कर अधिकतम में डीएपी खाद उपलब्ध नही है।

श्री ठाकुर ने जब इस संबंध में समितियों से जानकारी लिया तब मालूम हुआ कि किसानों के न चाहते हुवे भी डीएपी की जगह जबरदस्ती एनकेपी खाद किसानों को दिया जा रहा है । निरीक्षण के दौरान के उपस्थित किसानों ने जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर को बताया कि डीएपी खाद अधिकतम पैदावार देने वाला खाद है जिसे शासन साजिसवश बंद कर एनकेपी खाद जबरदस्ती किसानों को दिया जा रहा है, जिससे किसानों को सीधा सीधा 25 से 30 प्रतिशत पैदावार कम होता है । मौके पर जिलाध्यक्ष

राकेश ठाकुर ने जिला खाद्य अधिकारी से फोन पर बात किया । इस पर जिला खाद्य अधिकारी का कहना था की बाकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में डीएपी का शॉर्टेज चल रहा है इस वजह से किसानों को डीएपी का खाद नही मिल रहा है। जिलाध्यक्ष श्री राकेश ठाकुर ने शासन पर आरोप लगाते हुवे कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर किसानों को जबरदस्ती कम पैदावार वाली खाद पकड़ा रही है जिससे किसानों को सीधा-सीधा 25 से 30 प्रतिशत तक कम पैदावार प्राप्त होगा जो भाजपा सरकार की सोंची समझी रणनीति है।

भाजपा सरकार स्पष्ट रूप से चाहती है किसानों की फसल का पैदावार कम हो ताकि धान खरीदी कम मात्रा में करना पड़े । अंतरराष्ट्रीय बाजार में शॉर्टेज कहना एक बहाना है। सरकार के इस रवैये से किसान नाराज है , किसान उचित व सही पैदावार वाला खाद का राह देख रही है। इस दौरान समारू सिंगौर, प्रेमलाल सिंगौर, रामशरण बंधे, दुलार चंद्राकर, योगेश चंद्राकर, शीतल चंद्राकर, हितेश कुमार निर्मलकर, लक्की यदु, नोगेन्द्र यदु, अमृत, धनेश्वर साहू, गोविंदा निषाद, चंद्रकांत निषाद, निखिल निर्मलकर सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त-खबर

30 ग्रामीणों ने अलग अलग लगाए ग्राम पंचायत को हटाने के लिए आवेदन, सुशासन तिहार में लगाई गुहार, सचिव पर लगाए कई आरोप, पाटन ब्लॉक का मामला

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत मटंग के ग्रामीणों ने सुशासन तिहार में ग्राम पंचायत के सचिव दीप्ति चंद्राकर को हटाने के मांग करते हुए आवेदन लगाए है। एक ग्रामीण नहीं बल्कि 30 ग्रामीणों ने अलग अलग आवेदन लगाकर ग्राम पंचायत के सचिव को हटाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने सुशासन तिहार में दिए आवेदन में बताया है कि ग्राम पंचायत ग्राम पचायत मटंग में पिछले 13 वर्षों से सचिव दीप्ति चन्द्राकर कार्यस्त है। जो काफी लंबा समय होता है। पूर्व में भी कई आवेदन दिए गए सचिव हटाने के लिए परंतु शासन ने कभी जनता की बात नही सुनी, आवेदन में उल्लेख किया है कि सचिव दीप्ति चन्द्राकर ग्रामीणों से दुर्व्यव्हार करते है। सही ढंग से बात नहीं करते और ज्यादातर अनुपस्थित रहते हैं वे हिसाब किताब भी ढंग से प्रस्तुत नही करती है।ग्रामीणों ने मांग किया है कि मटंग पंचायत से सचिव दीप्ति चन्द्राकर को हटाया जाय।

युवा कांग्रेस नेता आभाष दुबे बने नगर पंचायत पाटन के नेता प्रतिपक्ष

पाटन (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने शुक्रवार नियुक्ति पत्र जारी किया। जिसमे नेता प्रतिपक्ष ने लिए आभाष दुबे वार्ड क्रमांक 08 एवं उपनेता प्रतिपक्ष के लिए दीपक यादव वार्ड क्रमांक 14 के नामो की घोषणा की गई। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा,राकेश ठाकुर(जिला अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण),हेमंत देवांगन,पुरूषोतम कश्यप,मनोज कुर्रे,बिरेंद्र कौशिक,कमल किशोर वर्मा,लीलाधर वर्मा,नीरज सोनी,प्रशांत शुक्ला, गोविन्द निषाद,अमृत राजपूत,दिनेश शर्मा,युवराज साहू,प्रदीप वर्मा सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने संचालित शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में ली बैठक

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में संचालित शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था को अधिक सशक्त, संतुलित और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण किए जाने की पहल की है। जिससे शिक्षक, संसाधनों का अधिकतम और समान उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने पारदर्शिता के साथ युक्तियुक्तकरण करने कहा है। विकासखंड स्तरीय समिति से प्राप्त प्रस्तावो के स्क्रूटनी के संबंध में 28 मई को जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित होगी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्वनी भारद्वाज, डीएमसी श्री आर के तिवारी सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया है कि युक्तियुक्तकरण से न तो किसी स्कूल को बंद किया जा रहा है, न ही शिक्षकों के पद समाप्त किए जा रहे हैं। युक्तियुक्तकरण की यह प्रक्रिया पूरी तरह शिक्षा के अधिकार अधिनियम और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशानिर्देशों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य स्कूलों में शिक्षकों की न्यायसंगत ढंग से उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इससे कोई विद्यालय बंद नहीं होगा, और न ही किसी प्रधान पाठक का पद समाप्त किया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल संसाधनों और प्रशासनिक संरचना को बेहतर बनाना है।

संवाद से समाधान यही है छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार की पहचान-प्रकाश सिन्हा

बसना(समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना के ग्राम भूकेल में आयोजित 15 पंचायत के सुशासन तिहार के समाधान शिविर में बतौर अतिथि जनपद अध्यक्ष डिलेश्वरी निराला,भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष मोहित पटेल, सभापति प्रकाश सिन्हा सम्मिलित होकर आम जनता की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुनकर उनका त्वरित समाधान किया।

इस दौरान हितग्राहियों को सामग्री, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, गर्भवती महिलाओं को पोषक आहार एवं किसानों को बीज, पौधा वितरण तथा शिशुओं का अन्नप्रासन संस्कार भी किया गया। जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन कर शासकीय योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि खोलबाहरा निराला, अरविंद मिश्रा, बसना अनुविभागीय अधिकारी मनोज खाण्डे, तहसीलदार ममता ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी पियूस सिंह ठाकुर,नायब तहसीलदार अर्पण कुर्रे,वन परिक्षेत्राधिकारी एस आर निराला, उप अभियंता डी पी जोशी,नयन प्रधान,महिला बाल विकास अधिकारी रामसिंह मिरी,जन्मजय साल,उद्यानिकी विभाग अधिकारी उपेन्द नाग एवं जनप्रतिनिधि गण एवं सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने 81 लाख रुपए के अधोसंरचना निर्माण एवं विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने एवं जनता की मूलभूत आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए विधायक भावना बोहरा ने विभिन्न ग्रामों में 80 लाख 91 हजार रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम गोरखपुर कला में सामुदायिक भवन, सुरजपुरा में नाली,शौचालय एवं भवन, ग्राम कोसमंदा में भवन, रणवीरपुर में व्यवसायिक परिसर, डोंगरिया में सी.सी. रोड, नवघटा में भवन एवं ग्राम उड़िया खुर्द में सी.सी.रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि हमारे देश की पहचान हमारे गाँव से है, इसलिए हमारे ग्रामीण क्षेत्रों का निरन्तर विकास और जनता की मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी है तब से छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास से लेकर कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से जन-जन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन

आ रहा है। पंडरिया विधानसभा में महिलाओं का सशक्तिकरण, किसानों को सम्मान और युवाओं को रोजगार के साथ हमारे वृद्धजनों को आयुष्मान योजना के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार मोदी की गारंटी में किए अपने वादों को पूरा करते हुए डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की जनता की आकाँक्षाओं अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं। तेज गति से अधोसंरचना विकास के साथ ही मूलभूत सुविधाओं जैसे सड़क, बिजली, पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं पर भी जमीनी स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहा है। आज हमारा प्रदेश भय और भ्रष्टाचार को मुक्त कर प्रदेश में सुशासन स्थापित कर रही है हमें पूरा विश्वास है कि आज इन सभी विकास कार्यों से ग्रामवासियों को सुविधा मिलेगी और हमारा लक्ष्य एवं प्रयास भी यही है कि जनता की समस्याओं का समाधान कर विकास व उनका सशक्तिकरण करना।

शासन-प्रशासन मिलकर विकास कार्यों को दे रहे है गति - योगेश्वर राजू सिन्हा

महतारी सदन के निर्माण से महिला सशक्तीकरण को मिलेगा बढ़ावा

महासमुन्द(समय दर्शन)। सुशासन तिहार के तृतीय चरण अंतर्गत जिले में समाधान शिविर का आयोजन 30 मई तक जारी रहेगा। यह शिविर न केवल समस्याओं के निराकरण का मंच बना, बल्कि शासन की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी सीधे ग्रामीणों तक पहुँचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में आज महासमुंद विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत झलप में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री सिन्हा एवं जनप्रतिनिधियां द्वारा विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया गया। साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा हितग्राहियों को मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन स्वीकृति पत्र, राशन कार्ड, आवास अभिनन्दन पत्र प्रदान किया गया।शिविर में बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, प्रमुख सचिव एवं जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती निहारिका बारिक विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती दिशा रामस्वरूप दीवान, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती देवकी पटेल, जनपद सदस्य बलविंदर सिंह सिद्धू, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक एवं अन्य जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।मुख्य अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप समाधान शिविर के माध्यम से आम जनता को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी सेवाएं और योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों

को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे। कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे और योजनाओं का सीधा लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचे शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन जब मिलकर कार्य करते हैं, तो विकास को कोई भी शक्ति रोक नहीं सकती। हम सभी मिलकर अपने जिले में विकास को नई गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सुशासन तिहार के दौरान जो समस्याएं सामने आई हैं, हम उन्हें गंभीरता से लेकर निराकरण की दिशा में ठोस कदम उठा रहे हैं। शिविर का उद्देश्य है कि हर नागरिक को सुशासन का लाभ मिले। महतारी वंदन योजना, जिसका वादा हमारी सरकार ने किया था, आज उसके लाभ की राशि बहनों के खातों में पहुंच रही है। हमारी बहन-बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए सरकार महतारी सदन का निर्माण कर रहे हैं। झलप में भी इसका निर्माण कार्य जारी है। यह सदन सिर्फ एक भवन नहीं, बल्कि एक मंच है, जहां बहनें अपनी समस्याओं और सामाजिक विषयों पर खुलकर चर्चा कर सकेंगी। यह नारी स्वावलंबन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। सिकासेर बांध से महासमुंद तक पानी लाने की योजना पर कार्य शुरू हो गया है। सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है और डीपीआर बनाई जा रही है। जिससे क्षेत्र के खेतों में पानी पहुंचेगा। श्री सिन्हा ने बताया कि पटेवा से खल्लारी मार्ग और पतई माता रोड के निर्माण से हमारे ग्रामीण अंचल को बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी। साथ ही, झलप में नया विश्रामगृह का निर्माण शीघ्र प्रारंभ होगा।

प्रभारी सचिव श्रीमती निहारिका बारिक ने स्टॉल का किया अवलोकन

प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक ने शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति एवं आवेदनों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों से भी बातचीत की। उन्होंने शिविर में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आम जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे।

बारिश में नहीं भीगा जोश, तिरंगे संग देशभक्ति का गर्जन, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकली ऐतिहासिक यात्रा

गरियाबंद (समय दर्शन)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में शुक्रवार को गरियाबंद जिला मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। बारिश के बावजूद सैंकड़ों नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारों के साथ यात्रा में शामिल हुए। यह तिरंगा यात्रा गायत्री मंदिर से शुरू होकर बस स्टैंड,तिरंगा चौक,बाजार मार्ग,सुभाष चौक,शीतला मंदिर होते हुए सरस्वती शिशु मंदिर पर समापन हुई। जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि पहलगाम की घटना ने पूरे देश के 140 करोड़ नागरिकों को आघात पहुंचाया है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और जरूरत पड़ने पर निर्णायक कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा।वही भाजपा प्रदेश मंत्री किशोर महानंद ने कहा कि भारत की सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को न केवल मारा,बल्कि आतंकवाद को पनाह देने वाले पाकिस्तान को भी कड़ा सबक सिखाया है।यह देश के लिए गर्व का क्षण है। पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के राष्ट्रीय स्वाभिमान, संप्रभुता और सामरिक क्षमता का प्रतीक बताया।उन्होंने कहा कि यह अभियान वैश्विक स्तर पर यह संदेश देता है कि भारत आतंकवाद को जड़ से मिटाने में सक्षम है। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन मांझी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा और यह याद दिलाता रहेगा कि भारत की संप्रभुता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

नशीली पदार्थों के रोकथाम के लिए लगातार चलाये अभियान - प्रभारी सचिव गुप्ता

प्रभारी सचिव हिमशिखर गुप्ता ने एनकॉर्ड जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के प्रभारी सचिव हिमशिखर गुप्ता ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में स्वापक औषधि मन: प्रभावी पदार्थों या नशीली पदार्थों के प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक ली।उन्होंने बैठक में कलेक्टर बी.एस. उइके एवं एसपी निखिल राखेचा की मौजूदगी में जिले में नशीली पदार्थों के प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर रोकथाम की लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही जिले में सक्रियता के साथ नशीली दवाईयों के रोकथाम के लिए कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने पूर्व के बैठकों में दिये गये निर्देशों के तहत की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की। साथ ही आगे भी लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने सीमा पार नशीली दवाईयों के आवागमन में रोक लगाने, लगातार चेकिंग करने के निर्देश दिये। साथ ही अवैध शराब पर

भी लगातार कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पर्श क्लिनिक की माध्यम से नशे की लत से पीड़ित मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार दिलाने के निर्देश दिये।साथ ही नशामुक्ति के लिए जारी टोलफ्री नम्बर 14446 एवं अवेध मादक पदार्थ की रिर्पोटिंग के लिए जारी मानस टोलफ्री एंटी नार्कोटिक्स हेल्पलाईन नम्बर 1933 के बारे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करने के निर्देश दिये।उन्होंने अधिकारियों को उपरोक्त दोनों नम्बरों को सभी गांवों में दीवाल राईटिंग करवाने एवं आवश्यक मुनादी भी करवाने के भी निर्देश दिये। श्री गुप्ता ने स्कूलों के आसपास नशीली एवं मादक पदार्थों के बिक्री पर नजर रखते हुए तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिये।साथ ही इसका व्यापक प्रचार भी करने के निर्देश दिये।इस दौरान वन मण्डलाधिकारी लक्ष्मण सिंह,अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय,नवीन भगत,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चन्द्राकर,सहायक ड्रग कन्ट्रोलर संजय राजपूत सहित समन्वय समिति के सदस्यगण शामिल हुए।

प्रभारी सचिव ने बैठक में कहा कि चेकपोस्ट,बैरियरों के द्वारा सघन निगरानी कर संदिग्ध वाहनों की लगातार जांच की जाए।जिले में नशीली पदार्थों के रोकथाम के लिए लगातार व्यापक अभियान चलाएं जाए।बैठक में कलेक्टर श्री उइके ने जिले में नशीली पदार्थों के बारे में जागरूकता लाने एवं रोकथाम के लिए की जा रही कार्यवाईयों के बारे में प्रभारी सचिव को अवगत कराया। साथ ही लोगों को इसके दुरुपयोग से दूर रहने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।उन्होंने औषधि विभाग के अधिकारियों को दवाईयों का औचक निरीक्षण कर नशीली दवाईयों के स्टॉक,एन्ट्री एवं बिक्री आदि की भी जानकारी लेने के निर्देश दिये। प्रभारी सचिव ने कोरियर के माध्यम से होने वाले नशीली दवाईयों के डिलीवरी पर भी सघन निगरानी करने के निर्देश दिये।प्रभारी सचिव ने स्कूल,कॉलेज के 100 मीटर के दायरें में तंबाकू युक्त एवं नशीली पदार्थों की बिक्री पर कोटपा अधिनियम के तहत सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

राजनांदगांव विधानसभा में संविधान बचाओ रैली का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 22 मई को राजनांदगांव विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष, विस चुनाव प्रत्याशी गिरीश देवांगन सहित कांग्रेसजन, कार्यकर्ता शामिल हुए।

शहर जिला कांग्रेस महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार प्रदेश, जिला, विधानसभा, ब्लॉक, वार्ड, बूथ स्तर पर यह रैली का आयोजन किया जाना है। इसी क्रम में आज ग्राम ढोड़िया से हल्दी वार्ड तक और हल्दी वार्ड का भ्रमण करते हुए हल्दी चौक में सभा होकर यह विधानसभा स्तरीय रैली आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसजन संविधान का और भारतरत्न बाबासाहब आंबेडकर का जयघोष करते हुए आगे बढ़े।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गिरीश देवांगन ने कहा कि भारत देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, आजादी के पश्चात संविधान की आवश्यकता होने पर संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष डॉ भीमराव अंबेडकर जी के नेतृत्व में भारत देश की आत्मा कही जानी वाली संविधान का निर्माण हुआ, 26 जनवरी 1950 को इसे अंगीकार कर भारत गणतंत्र बना। संविधान हमें समानता, बराबरी, आरक्षण का अधिकार देता है, ताकि पिछड़े, दलित, वंचित लोगों का जीवन स्तर ऊंचा कर उनका उत्थान हो सके। बीजेपी का आरक्षण समाप्त करने का छुपा एजेंडा है।इसका कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र की मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान विरोधी कार्य कर रही है। यह संविधान बचाओ यात्रा के माध्यम से उनकी कथनी और करनी को आम जनमानस के बीच लाने का काम कांग्रेस करेगी।

कार्यक्रम को शहर जिला प्रभारी बृजेश शर्मा, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, जिपं सदस्य अंगेशवर देशमुख, उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली, तुकज साहू तथा सभा का संचालन दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने किया। इस रैली में प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश डाकलिया, दिनेश शर्मा, पूर्व महापौर सुदेश देशमुख, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष रोहित चंद्राकर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष माया शर्मा, मोहम्मद याह्या, मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु मिश्रा, धर्मेंद्र देवांगन, दिलीप चंद्राकर, तजेंद्र वैष्णव, जय जायसवाल, धन्नालाल साहू, महेश साहू, टिंकू साहू, केशव कुमार,ख्, त्रिलोचन साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए।

खबर-खास

विषय बंधन राजपत्र में लागू न होना शिक्षा का अधिकार अधिनियम और नई शिक्षा नीति के प्रावधान का उल्लंघन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अब लगभग चार माह होने को हैं, जब 30 जनवरी के सीएम के विषयबंधन के निर्णय निर्देश के बाद भी राजपत्र नहीं बदल सका है, इसको बदलने मे प्रदेश के बच्चों को लाभ है। सरकार को कोई आर्थिक बोझ भी नहीं पड़नी है, नई शिक्षा नीति 2020 के ही साथ आरटीई-2009 का भी पालन विषय बाध्यता से होगा। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान का रथ भी विषयबंधन राजपत्र के बिना आगे बढ़ना कठिन है, किंतु काफी देरी राजपत्र संशोधन मे हो रही है। जल्द विषयबंधन राजपत्र न बदलने और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा बच्चों को न मिल पाने की स्थिति में छग विषय बाध्यता मंच आंदोलन की ओर रुख कर सकती है। ज्ञापन और अनुनय विनय बार-बार सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों से कर चुकी है।

अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में दावा आपत्ति 31 मई तक

मुंगेली(समय दर्शन)। शिक्षा विभाग अंतर्गत मृत शासकीय सेवकों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने की प्रक्रिया चल रही है। अनुकंपा नियुक्ति के लिए महेश कुमार जायसवाल पिता स्वर्गीय मनोहर लाल जायसवाल सहायक शिक्षक एलबी शासकीय प्राथमिक शाला कंसरी लोरमी, सौरभ ज्ञानिक माता स्वर्गीय श्रीमती संध्या वासनिक प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला को कुटेलीपारा मुंगेली, अविनाश कुमार वाद्यकर पिता स्वर्गीय धन्नूलाल वाद्यकार शिक्षक एलबी शासकीय पूर्व शाला खाम्ही कुर्मी मुंगेली, आशुतोष कुमार कसेर पिता स्वर्गीय राजेंद्र कुमार कसेर सहायक शिक्षक एलबी शासकीय प्राथमिक शाला पकरिया, श्रीमती राजकुमारी पटेल पति स्वर्गीय ईश्वर कुमार पटेल सहायक शिक्षक एलबी शासकीय प्राथमिक शाला केशरुवाडीह ने आवेदन प्रस्तुत किया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इन सभी आवेदनों एवं अभिलेखों का परीक्षण कर लिया गया है। इनकी अनुकंपा नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था या दावेदार की कोई भी दावा-आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मुंगेली में प्रमाण सहित दावा आपत्ति या अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी।

श्रीमती राजमती साहू की आकस्मिक मृत्यु

बिर्रा । ग्राम देवरहा के प्रतिष्ठित नागरिक खेदु राम साहू की धर्म पत्नी एवं शासकीय प्राथमिक शाला फूलवारीपारा बिर्रा में पदस्थ नोहर साहू और पिंटू स्वीट्स एवं डेली नीड्स बिर्रा के संचालक पिंटू साहू के माताजी श्रीमती राजमती साहू की 75 वर्ष की आयु में 22 मई गुरुवार को निधन हो गया। हिन्दू रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार महानदी के किनारे मुक्तिधाम में किया गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार को छोड़ कर चले गए। उनके अंतिम यात्रा में सजातीय बंधु व ग्रामीण जन भारी संख्या में उपस्थित थे।

चमत्कारिक उपचार करने का आश्वासन देकर उपचार करने एवं उपचार के दौरान मृतिका की मृत्यु के मामले में महिला गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। 22 मई को प्रार्थिया सुनिता सोनवानी निवासी पण्डरी रायपुर हाल महासमुंद पचेड़ा के द्वारा थाना राजिम आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थिया की पुत्री की मानसिक स्थिति ठीक नही होने के कारण राजिम थाना के ग्राम सुरसाबांधा निवासी ईश्वरी साहू पति सेवक राम साहू उम्र 41 वर्ष निवासी सुरसाबांधा के पास पूजापाठ के माध्यम से उपचार करवा रही थी।आरोपी महिला ईश्वरी साहू के द्वारा प्रार्थिया की पुत्री को अपने घर सुरसाबांधा में रख कर उपचार के बहाने डरा धमका कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करती थी।जो पीड़िता के उपर आर्युवेदिक उपचार के बहाने चमत्कारी तेल और गरम पानी डालकर अपने पैरो से मृतिका के सीने को मसलती थी और ईसाई धर्म का प्रार्थना करवाती थी। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर प्रथम दृष्टिया अपराध धारा छ.ग.धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2006 की धारा 4 व औषधी और चमत्कारिक उपचार (आक्षेपणीय विज्ञापन)अधिनियम 1954 की धारा 7 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।उपचार दौरान पीड़िता की मृत्यु होने से थाने में मर्ग कायम कर शार्ट पीएम रिपार्ट प्राप्त किया गया।जो पीएम रिपार्ट में पसली की हड्डी टुटने एवं दबाव के कारण मृत्यु होना लेख किया गया है।जिस पर धारा 105 बीएनएस एक्ट जोडी गई।इस प्रकार गम्भीर मामले की सूचना मिलते ही गरियाबंद पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी महिला को समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

अवैध कारनामों को रोकने का प्रयास प्रशासन को करना चाहिए

होमन सिंह ठाकुर

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। दिन प्रतिदिन अवैध कब्जा अवैध निर्माण की होड़-सी लगी हुई है इस माया नगरी अहिवारा में अवैध कारोबार हो या अवैध कब्जा अवैध निर्माण जो नियंत्रण के बाहर है कई बार समाचार पत्र के माध्यम से इन अवैध कारोबार या निर्माण को उजागर किया जाता है, परंतु शासन प्रशासन का इस ओर ध्यान आकर्षित नहीं होता क्योंकि कुछ सफेदपोश लोगों के कारण इस गंभीर मसले को हल्के में लेने की बात होती है आपको बता दूं नगर पालिका परिषद अहिवारा सीएमओ अंकुर पांडे ने 21 मई को अवैध कब्जा अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की मांग शासन प्रशासन से की और दिन भी तय हो गया परंतु उस आदेश पर राजनीतिक दबाव बन गया जो परिषद की अगली बैठक में तय होगा दिनांक 22 में को नगर पालिका परिषद में सामान्य बैठक रखी गई जिसमें इस तोड़फोड़ कार्रवाई के प्रति काफी गहमागहमी के साथ तीखी बहस हुई और आपसी कलह का विषय बना, अध्यक्ष और पार्षद एक तरफहोकर अपनी आवाज़ उठाएं जिससे अवैध निर्माण अवैध कब्जा पर अंकुश लगाने के लिए रोक लगा दी गई, इस क्षेत्र में अवैध कब्जाधारी के साथ पुराने कब्जा धारीयो ने भी मंजिल के ऊपर मंजिल खड़ा कर रहे हैं, वह भी बिना नगर पालिका के अनुमति के जबकि नए लोगों द्वारा तेजी से सरकारी भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। इस भयानक और गंभीर स्थिति को रोकने के लिए सीएम द्वारा अंकुश लगाने की लिए कानूनी कार्यवाही शुरू किया ताकि सरकारी भूमिका राजस्व और उपयोग दोनों प्रभावित हो रहा है लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप और परिषद की उदासीनता इन प्रयासों को बाधित कर रही है, अब शासन व प्रशासन का काम क्या गलत है क्या सही है, इस अवैध कारनामों को रोकने का प्रयास प्रशासन को करना चाहिए।

ग्राम पंचायत बोरिद में समाधान शिविर

दुर्ग (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत बोरिद शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 14 ग्राम पंचायत शामिल हुए। जिले में सुशासन तिहार का तृतीय चरण 5 मई से 30 मई 2025 तक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। तीसरे चरण का यह शिविर निर्धारित तिथियों एवं स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है। जनपद पंचायत सीईओ श्री जागेन्द्र साहू ने जानकारी दी कि कुल 4856 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें लंबित 82 और 4774 आवेदनों का निराकरण किया गया। इसके अलावा शिविर में 230 नए आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर 8 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र, समाज कल्याण विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति, 16 हितग्राहियों को राशन कार्ड, मनरेगा के तहत 8 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, राजस्व विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका, जिला सहकारी समिति द्वारा 4 हितग्राहियों को केसीसी चेक और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सुपोषण टोकरी प्रदान की गई।

वृक्षारोपण से महिलाओं को सामाजिक रूप से बनाया जा सकता है सशक्त-महापौर

मेयर ने की वुमेन्स फॉर ट्री कैंपेन अभियान की शुरुवात

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत मेयर श्रीमती अलका बाघमार वूमेन फॉर ट्री कैंपेन की शुरुवात। दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं अमृत मिशन द्वारा संयुक्त रूप से शहर के नया तालाब, मठपारा में समूहों को वृक्षारोपण हेतु किट वितरण किया गया। मेयर श्रीमती अलका बाघमार एवं एमआईसी नरेंद्र बंजारे, लीना दिनेश देवांगन,नीलेश अग्रवाल, तथा समूह की महिलाओं की उपस्थिति में किट वितरण किया गया।

उल्लेखनीय है कि शहर में वूमेन फॉर ट्री कैंपेन के अंतर्गत और भी स्थानों का चयन कर 10,000 पेड़ लगाया जाना है। जिसकी शुरुवात स्थल के चयन करते हुए आज से की गई। इस कार्यक्रम में स्व सहायता समूह की महिलाए एवं वार्ड की अन्य महिलाएं तथा मिशन प्रबंधक एवं सामुदायिक संगठक उपस्थित रहे।

मेयर ने कहा कि वृक्षारोपण की पहल से महिलाओं को विविध आर्थिक अवसर मिल सकते हैं।उदाहरण के लिए, महिलाएं नर्सरी की स्थापना,पौधे लगाने और रखरखाव की गतिविधियों में शामिल होकर आय अर्जित कर सकती हैं और रोजगार के अवसर पैदा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को इन अवसरों तक पहुंच मिलती है, तो इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है, जिसका पूरे समुदाय और अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मेयर ने आगे कहा कि वृक्षारोपण से महिलाओं को सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाया जा सकता है।

हिन्दू युवा मंच ने डीएफएल का खिताब जीतकर कर कीर्तिमान रचा

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। न्यू प्रेंड्स क्लब डोंगरगढ़ और रेलवे इंस्टीट्यूट डोंगरगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित प्रथम रात्रि कालीन सेवन ए साईड फुटबॉल टूर्नामेंट डोंगरगढ़ प्रीमियर लीग के कश्मकश भरे रोमांचक अंतिम फाईनल मुकाबले में हिन्दू युवा मंच राजनांदगांव ने डोंगरगढ़ वॉरियर्स को पेनाल्टी शूट आऊट में 1 के मुकाबले 3 गोल से करारी शिकस्त दी। विजेता टीम को 55000 रूपये नगद और विनर्स ट्रॉफी साथ ही उपविजेता टीम को 44000 रूपये नगद राशि एवं उपविजेता की ट्रॉफी प्रदान की गई।

रेल्वे ग्राउंड में गत दिनांक 12 मई से 18 मई तक आयोजित प्रथम डोंगरगढ़ फुटबॉल लीग स्पर्धा दूधिया रौशनी में खेली गई। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने भाग लिया था। दोनों टीमों को दो पूल में बांटा गया था। सभी टीमों को अपने-अपने पूल की टीमों के विरुद्ध मैच खेलने थे और ज्यादा से ज्यादा अंक हासिल करने थे। अपने-अपने पूल में जिन दो टीमों ने सर्वोच्च अंक हासिल किए थे, उनके बीच सेमी फाईनल के मुकाबले हुए और सेमी फाईनल मुकाबला जीतकर दोनों ही टीम हिन्दू युवा मंच राजनांदगांव और डोंगरगढ़ वॉरियर्स फाईनल पहुंची थी। रोमांचक फाईनल मुकाबले में दोनों ही टीम एक-दूसरे के गोल पोस्ट पर गोल करने का भरसक प्रयास करती रही, किन्तु मैच की समाप्ति तक स्कोर शून्य की बराबरी पर था। ऐसे में मैच का अंतिम निर्णय ट्राइब्रेकर के माध्यम से निकाला गया। जिसमें हिन्दू युवा मंच राजनांदगांव ने 1 के मुकाबले 3 से जीत हासिल की। हिन्दू युवा मंच टीम की तरफसे सूर्यांश सिंह, तपिश शुक्ला और श्रीवर्धन सिंह राजपूत ने गोल कर अपनी टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाकर टूर्नामेंट का विजेता होने का गौरव दिलाया। वहीं डोंगरगढ़ वॉरियर्स टीम से देशराज मार्को एक मात्र गोल कर पाए। हिन्दू युवा मंच के कोच किशोर माहेश्वरी और टीम के ऑनर अरविंद तिवारी थे। वहीं डोंगरगढ़ वॉरियर्स टीम के ऑनर डी केश राव थे। न्यू प्रेंड्स क्लब डोंगरगढ़ के प्रमुख सत्यम स्वामी, तरंग बोपचे और जुनैद अली सहित पूरे आयोजक मंडल ने विजेता और उपविजेता टीम दोनों को जीत की बधाई देते हुए आयोजन के लिए सभी टीम के ऑनर्स, कोच, खिलाड़ियों, निर्णायकों और दर्शकों का आभार जताया है।

सुरक्षित मातृत्व विशेष आयोजन, हितग्राही ज्यादा से ज्यादा उठाए फायद-गार्गी

गरियाबंद। पीएमएसएमए के माध्यम से जिला अस्पताल में 24 मई को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व विशेष अभियान कार्यक्रम का आयोजन सी एम एच ओ डॉक्टर गार्गी यदु के मार्गदर्शन में किया जा रहा है ज्ञात हो की (पीएमएसएमए) भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है,जिसका मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम वाले लक्षणों की पहचान कर विशेषज्ञ तथा प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण संपूर्ण प्रबंधन सुनिश्चित करना है।उच्च जोखिम श्रेणी में आने वाली गर्भवती महिलाओं का समुचित प्रबंधन एवं सुनियोजित संदर्भन सुनिश्चित कर राज्य में मातृ मृत्यु अनुपात को कम किया जा सकता हैं।इसलिए प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) दिवस समस्त जिला अस्पताल,सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा चिन्हांकित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित किया जाता है। गौरतलब है कि शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सी एम एच ओ के विशेष मार्गदर्शन और निर्देश में इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार गांव गांव में पदस्त ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजकों,आरएचओ,के माध्यम से किया गया।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने रोहरा एवं डोंगरियाकला में 52 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधानसभा को विकसित और समृद्ध बनाने एवं एक आदर्श विधानसभा के रूप में नई पहचान दिलाने के लिए विधायक भावना बोहरा लगातार विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जनता की सुविधाओं के लिए कार्य कर रही हैं। आज ग्राम रोहरा एवं ग्राम पंचायत डोंगरियाकला में विधायक भावना बोहरा द्वारा 52 लाख 46 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सी.सी.रोड, सामुदायिक भवन एवं अटल सद्भावना भवन का विधिवत भूमिपूजन किया और क्षेत्रवासियों को इन विकास कार्यों के लिए बधाई दी। इस दौरान उन्होंने ग्राम रोहरा में 14 लाख 46 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सी.सी. रोड और ग्राम डोंगरिया कला में विधायक निधि से 13 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन एवं विभिन्न मद अंतर्गत 25 लाख रुपए की लागत से अटल सद्भावना भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि समृद्ध पंडरिया के अपने संकल्प को पूरा करने और जनता की आकांक्षाओं अनुरूप क्षेत्र की प्रगति हेतु यह विकास कार्य महत्वपूर्ण कड़ी हैं। जनता की सुविधाओं का विस्तार एवं क्षेत्र की प्रगति ही डबल इंजन भाजपा सरकार का ध्येय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल मार्गदर्शन में आज हमारा प्रदेश दिन प्रतिदिन उन्नति कर रहा है। सेवा, सुशासन और विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं समृद्ध पंडरिया-विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के अपने संकल्प पूर्ति हेतु हम प्रतिबद्ध हैं और डबल इंजन भाजपा सरकार में हर व्यक्ति और क्षेत्र का विकास सुनिश्चित हो रहा है। साधन और संसाधन के साथ ही अधोसंरचना निर्माण से हर क्षेत्र की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विकास की यात्रा निरंतर जारी है।

विगत डेढ़ वर्षों में छत्तीसगढ़ में डबल इंजन भाजपा सरकार बनने के बाद से विकास कार्यों में निरंतर तेजी आई है। आज हर गाँव, वनांचल क्षेत्रों, दूरस्थ अंचलों, हर नगर एवं शहर में विकास के कार्य तेजी से हो रहें हैं जिससे जनता को सुविधा हो रही है वहीं अधोसंरचना निर्माण कार्यों से प्रदेश की आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित हो रही है। आज हर गाँव में पक्की सड़कों के निर्माण से सुदृढ़ एवं बेहतर आवागमन की सुविधा मिलने से आम जनता को सहूलियत हो रही है। शासकीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से लेकर विकास कार्य धरातल पर दिखाई दे रहें हैं।

पूर्ण पारदर्शिता से जनता की समस्याओं को सुनकर उसका निराकरण हो रहा है वहीं सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार और प्रशासन खुद जनता के बीच पहुंचकर उनसे संवाद कर रहीं हैं, योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है और समस्याओं का स्थल पर ही निराकरण कर रही है, यही सही मायने में प्रदेश में सेवा और सुशासन की सरकार को चरितार्थ करता है। मोदी जी की गारंटी में किये अपने वादों को अक्षरशरू पूरा करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार पूर्ण प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में विकास के यह कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

बोर्ड में विद्यार्थियों को तैयारी कराने प्राचार्य ने तत्कालीन कलेक्टर व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी दीवान को बंधाई दी

बिर्रा (समय दर्शन)। दसवीं बारहवीं बोर्ड परीक्षा मे ब्लाक बम्हनीडीह ने बेहतर परफॉर्मेंस किया है सभी शिक्षण संस्थान के प्राचार्य ने तत्कालीन कलेक्टर आकाश कुमार छिकारा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एमडी दीवान को बंधाई दी है। तथा आगामी बोर्ड में भी अच्छा प्रर्दशन किया जाएंगा। दसवीं बारहवीं बोर्ड परीक्षा मे तत्कालीन जिलाधीश आकाश कुमार छिकारा ने सभी बीईओ को सभी स्कूलों में बोर्ड परीक्षा मे बच्चों को बेहतर परफॉर्मेंस करने के लिए लगातार मेहनत कर रहे थे साथ ही सभी बीईओ व प्राचार्य की बैठक लेकर विद्यार्थीयो के हर सप्ताह का टेस्ट परीक्षा माह का टेस्ट परीक्षा के अलावा तैमासीक परीक्षा के साथ अर्द्ध वार्षिक परीक्षा की जानकारी पर चर्चा किया जाता साथ ही जिन विघालय के परीक्षा परिणाम से संतोष नहीं मिलने पर जिलाधीश आकाश कुमार छिकारा ने बीईओ को मौके पर उन विघालय के प्राचार्य को हटाने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन विघालय के प्राचार्य भी हटाया ग ए। जिलाधीश आकाश कुमार छिकारा बम्हनीडीह बीईओ एम डी दीवान ने जिलास्तर पर दसवीं बारहवीं बोर्ड परीक्षा मे बेहतर परफॉर्मेंस करने के लिए उत्कृष्ट जांजगीर चांपा अभियान चलाया गया जिसमें प्रीबोर्ड प्रथम व प्रीबोर्ड व्दितीय परीक्षा का आयोजन करके जिलास्तर से प्रश्न तैयार किया जाता था और सभी विघालय में दसवीं बारहवीं बोर्ड परीक्षा मे विद्यार्थियों के लिए प्रश्न किस तरह से बोर्ड परीक्षा मे आये जाते हैं इसका भी अनुभव बच्चों को हुआ तथा इसके लिए बम्हनीडीह बीईओ एमडी दीवान ने लगातार अपने ब्लाक स्तर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करनौद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तालदेवरी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरिया शासकीय हाईस्कूल बोरसी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा संजयनगर शासकीय डीडीएस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलादेही विघालय के बच्चों के बीच जाकर प्रश्न का साझा करते और लगातार बोर्ड परीक्षा मे बेहतर परफॉर्मेंस करने के लिए प्राचार्य शिक्षक की हर माह रिपोर्ट लेकर तत्कालीन कलेक्टर के साथ चर्चा किया जाता।

कलेक्टर व जिला शिक्षा अधिकारी निजी स्कूलों व प्रकाशकों पर क्यूं नहीं कस रहे नकेल-अजय शिरबावीकर

दुर्ग (समय दर्शन)। देश और प्रदेश में डबल और ट्रिपल इंजन की सरकार होने की बावजूद भी शिक्षा और स्वास्थ जगत के छत्तीसगढ़ के रहवासी महंगाई की मार झेल रहे है।चाहे मसला शिक्षा जगत और स्वास्थ जगत से जुड़ा हुआ क्यों ना हो ।

हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से वायरल हुआ। जिसमे जबलपुर कलेक्टर के द्वारा एक सख्त आदेश निजी स्कूलों और प्रकाशको के विरुद्ध जारी किया गया।

अजय शिरबावीकर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि निश्चित रूप से कलेक्टर का यह प्रयास काबिले तारीफ है उन्होंने पलकों की पीड़ा को समझा जो पुस्तके 5000 से 6000 तक निजी प्रकाशको की मिलती थी। वह पालकों के बच्चों को 400 में उपलब्ध हो गई ।चूंकि मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है और छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार है लेकिन निजी स्कूलों और प्रकाशकों पर 33 जिलों के कलेक्टर और संभाग आयुक्त का बस क्यों नहीं चल पा रहा है। इससे साफ स्पष्ट है कि डबल और ट्रिपल इंजन की सरकार का शिक्षा माफ्यिों के साथ सीधे दौर पर क्या

साठ गांठ है? यह स्पष्ट दिखता है कि राज्य में स्कूली शिक्षा मंत्री,स्कूल सेक्रेटरी और मुख्य सचिव है ।लेकिन किसी का भी ध्यान शिक्षा और स्वास्थ जैसे ज्वलंत शील मुद्दे पर क्यों नहीं है। यहां के कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी निजी स्कूलों और निजी प्रकाशकों पर नकेल क्यों नहीं कस रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की सरकार में हाल ही में बड़ी पैमाने पर निगम आयोग और मंडलों की नियुक्ति की गई । लेकिन शिक्षा आयोग और शिक्षा विनायमक आयोग का गठन पर सरकार की चुप्पी कई संदेहो को जन्म देती है। उसी तर्ज पर स्वास्थ्य आयोग एवं शिक्षा आयोग का भी गठन जल्द से जल्द करना चाहिए। ताकि निजी स्कूलों और निजी अस्पतालों अपने खर्चीले और आर्थिक बोझ वाले पेमेंट का भार पालकों पर ना डाल सके । हमारी और कांग्रेस पार्टी की मांग है कि जल्द से जल्द राज्य सरकार करोड़ों लोगों को राहत देते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य आयोग का गठन करें ताकि करोड़ों पालकों और मरीजों के परिजनों को सीधा उसका लाभ मिल पाए साथ ही साथ यहां की सरकार द्वारा एनसीईआरटी की सस्ती किताबों के लिए ज्यादा जोर देना चाहिए और निजी प्रकाशकों की पुस्तके और स्कूल यूनिफार्म एक ही दुकान से लेने को बाध्य न करें। इसका सीधा फायदा स्कूल प्रबंधन और निजी प्रकाशक और बुक डिपो को सीधे तौर पर हो रहा है इन पर शक्ति से प्रतिबंध लगे। केंद्र की सरकार करोड़ों का फंड राज्य सरकार को देती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए केंद्र की सरकार करोड़ों का फंड देती है। छत्तीसगढ़ राज्य आदिवासी बहुल राज्य है और मुख्यमंत्री भी आदिवासी है उन्हें जल्द से जल्द दोनों आयोग बनाने की पहल करनी चाहिए।

संक्षिप्त-खबर

पेयजल की समस्या से निजात दिलाने सोमनी पंचायत ने कराया नया बोर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। गर्मी में पेयजल की समस्या से ग्रामीण परेशान है। इसी समस्या से ग्रामीणों को निजात दिलाने के लिए ग्राम पंचायत सोमनी में पंचायत द्वारा बाजार चौक मिनी माता के पास नया बोरवेल कराया है, ताकि गांव के लोगों को जलसंकट जैसी समस्या से निजात मिल सके।

बता दें कि लंबे समय से बाजार चौक में बोरवेल की मांग क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा की जा रही थी। सरपंच नीलिमा साहू ने ग्रामीणों की इस परेशानी को दूर करने के लिए बीते दिनों पूजा-अर्चना कर नया बोर करवाया। नया बोरवेल होने से बाजार चौक के आसपास रहने वाले लोगों को इस गर्मी में जलापूर्ति करने में अब परेशानी नहीं होगी। इस दौरान क्षेत्र के भाजपा नेता कृष्णा तिवारी, सरपंच नीलिमा साहू, ग्राम पंचायत की महिला पंच सहित ग्रामीण उपस्थित रहे। सोमनी की नवनिर्वाचित सरपंच नीलिमा साहू ने कहा कि गांव में पेयजल के साथ रोड, नाली और बिजली जैसी मूलभूत समस्या है। इन सभी मूलभूत के कार्यों को कराना ही पहली प्राथमिकता है, ताकि गर्मी और बारिश के दिनों गांव वालों को किसी तरह की समस्या से जूझना ना पड़े। बारिश से पहले सभी जरूरी कार्यों को पूरा करना है।

प्रभारी सचिव हिमशिखर गुप्ता ने पीव्हीटीजी वनधन केन्द्र केशोडार का किया निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के प्रभारी सचिव हिमशिखर गुप्ता एक दिवसीय गरियाबंद प्रवास के दौरान आज गरियाबंद वनमण्डल अंतर्गत ग्राम केशोडार में स्थापित पीव्हीटीजी वनधन केन्द्र केशोडार का निरीक्षण किया।उन्होंने केशोडार में स्थापित वनौषधि प्रसंस्करण केन्द्र का अवलोकन करते हुए महिला समूह द्वारा किये जा रहे विभिन्न प्रकार की औषधियों का जायजा लिया।इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि वनधन विकास केन्द्र केशोडार में भूतेश्वरनाथ हर्बल औषधालय स्वसहायता समूह के 12 सदस्यों के अतिरिक्त 40-50 महिलाओं को सालभर रोजगार प्राप्त हो रहा है।यहां पर 21 प्रकार से अधिक औषधियों का निर्माण किया जाता है। प्रभारी सचिव श्री गुप्ता ने महिलाओं द्वारा वनौषधि निर्माण करते हुए देखा एवं समूह के सदस्यों के साथ चर्चा भी की।इस दौरान उन्होंने समूह के सदस्यों से गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। साथ ही वन औषधी प्रसंस्करण एवं इनसे निर्मित दवाईयों से होने वाले आय के बारे में भी पूछा।समूह के सदस्यो के द्वारा अवगत कराया गया कि उनके स्वयं के ग्राम में वनौषधि प्रसंस्करण केन्द्र स्थापित होने से समूह को रोजगार की तलाश में कहीं जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।समूह के सदस्यो को सालभर प्रसंस्करण केन्द्र में रोजगार प्राप्त होते रहता है। समूह के द्वारा वर्ष 2024-25 में वनधन विकास केन्द्र के द्वारा लगभग 90 लाख 60 हजार रूपये के उत्पाद का विक्रय किया गया है।जिसमें आयुष विभाग द्वारा आर्डर किये गये 56 लाख रूपये के सतावरी चूर्ण भी शामिल है।वर्तमान में आयुष विभाग से महाविषगर्भ तेल की आर्डर प्राप्त है,जो कि लगभग 56 लाख 17 हजार रूपये राशि की है।इसका निर्माण कर सप्लाई की जा रही है।समूह के द्वारा किए जा रहे वनोषधी प्रसंस्करण अंतर्गत हो रहे लाभ से प्रभारी सचिव ने प्रसन्नता जाहिर की।साथ ही वनोषधि उत्पादन को लगातार बढ़ाते हुए अपनी आय में भी वृद्धि करने के लिए प्रेरित किया।इस दौरान पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा,सीईओ जिला पंचायत जी.आर मरकाम,अपर कलेक्टर नवीन भगत, उप वनमण्डलाधिकारी मनोज चन्द्राकर सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

केन्द्रीय जेल दुर्ग में सजा भुगत रहे बंदियों को जेल में रोजगारमुखी प्रशिक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग की केन्द्रीय जेल अब सिर्फ सजा काटने की जगह नहीं रही, बल्कि यह अब बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने का केंद्र बनती जा रही है। जेल अधीक्षक मनीष संभाकर की पहल पर यहां रोजगारमुखी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे बंदियों को नया जीवन शुरू करने का मौका मिल रहा है। दुर्ग की केन्द्रीय जेल में हो रहा है एक सकारात्मक बदलाव। जेल में सजा काट रहे बंदियों को अब आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जेल अधीक्षक मनीष संभाकर के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल से बंदियों को एलईडी बल्ब निर्माण का काम सिखाया गया है। हर दिन बंदी सैकड़ों एलईडी बल्ब तैयार कर रहे हैं। शुरुआत में जिन्हें बल्ब बनाना नहीं आता था, वही बंदी अब कुशल कारीगर बन चुके हैं। इस प्रशिक्षण के जरिए न केवल बंदियों को नया हुनर मिला है, बल्कि यह उनके भविष्य को भी नई दिशा देने में अहम भूमिका मिल रही है।

जिले में पदस्थ गुलाब डड़सेना सहित चार सहायक जनसंपर्क अधिकारियों की पदोन्नति हुई

रायपुर/कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग द्वारा विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर चार सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को पदोन्नत करते हुए सहायक संचालक के पद पर पदस्थ किया गया है। विभागीय पदोन्नति समिति 8 अप्रैल 2025 की अनुशंसा के आधार पर विभाग द्वारा 22 मई को महानदी भवन, मंत्रालय से आदेश जारी किया गया।

पदोन्नत होने वाले अधिकारियों में कमलेश कुमार साहू, गुलाब कुमार डड़सेना, रमेश भार्गव एवं श्रीमती रीनू ठाकुर शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों को वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (56100 - 177500 रुपए) में सहायक संचालक पद पर पदस्थ किया गया है। पदोन्नति के बाद श्री डड़सेना ने जिला जनसंपर्क कार्यालय, कबीरधाम में सहायक संचालक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विभागीय एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करने वाले श्री डड़सेना अपने कर्मठ, सौम्य एवं संवादपरक व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं। उनके द्वारा पत्रकारों और अधिकारियों के साथ सौहार्दपूर्ण समन्वय स्थापित करते हुए जनसंपर्क गतिविधियों का कुशल संचालन किया जा रहा है। उनकी पदोन्नति की सूचना मिलते ही जिला कार्यालय में हर्ष और उत्साह का वातावरण निर्मित हो गया। जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकार संगठनों, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं वेब मीडिया संस्थानों से जुड़े अनेक प्रतिनिधियों ने श्री डड़सेना को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर प्रगति की कामना की है।

मीडिया प्रतिनिधियों ने उनके साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि श्री डड़सेना ने स्वच्छ संवाद और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। उनके कार्य व्यवहार में अनुशासन, संवेदनशीलता और पत्रकारिता के प्रति सम्मान स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

उन्होंने हर परिस्थिति में जनसंपर्क के दायित्वों का संयम और सजगता के साथ निर्वहन किया है। श्री डड़सेना ने कबीरधाम में विभागीय, प्रशासनिक तथा लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निर्वाचनों में सौपे गए दायित्त्वों का सफल निर्वहन के लिए राष्ट्रीय पर्व के अवसरों पर कलेक्टर की अनुसंशा पर अनेकों बार सम्मानित किया जा चुका है।

कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक की समझाईश के बाद मामला हुआ शांत

बसना(समय दर्शन)। बुटीपाली मे कुछ परिवार का हुक्का पानी बंद के बाद गांव में फैला था तनाव। पिछले दो माह से तीन परिवार का बाहुबलियों ने गांव में हुक्का पानी बंद कर देने के बाद जिले के कलेक्टर विनय कुमार लंगेह और पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह ने संज्ञान लेते हुए बसना ब्लॉक के ग्राम बुटीपाली में नायब तहसीलदार अर्पण कुर्रे और भंवरपुर चौकी प्रभारी राजीव नाहर को भेज कर मामले में ग्रामीणों की बैठक कर दोनों पक्षों को समझाइश देकर गांव में सामाजिक सौहाद्र बनाए रखने कहा गया है।

गौरतलब हैं कि महासमुंद जिले के तहसील व बसना थाना क्षेत्र के तीन ग्रामीण परिवारों को गांव के कुछ बाहुबलियों ने आपसी रंजिश के चलते गांव में हुक्का पानी बंद कर गांव से बहिष्कृत कर दिया था। बाहुबलियों के दहशत के चलते गांव के दुकानदार गांव से बहिष्कृत लोगों को राशन का सामान तक नहीं दे रहे हैं। बहिष्कृत ग्रामीणों की भूल से भी मदद करने वालों को पांच से दस हजार रुपए दंड लेने का फरमान

जारी किया गया है। इसकी शिकायत थाने में भी की गयी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई पुलिस ने नहीं की है। बहिष्कृत ग्रामीणों के बच्चों तक को गांव के दुकान में कोई समान नहीं दे रहे। भय और आतंक के साए में जी रहे पीड़ित ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और जिले के पुलिस कप्तान को लिखित में शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। महासमुंद जिले के बसना तहसील के भंवरपुर चौकी सीमा क्षेत्र के ग्राम बुटीपाली मे ग्रामीण परिवारों को गांव के कुछ बाहुबलियों ने आपसी रंजिश के चलते गांव में हुक्का पानी बंद कर गांव से बहिष्कृत कर दिया था। बाहुबलियों के दहशत के चलते गांव के दुकानदार गांव से बहिष्कृत लोगों को राशन का समान तक नहीं दे रहे थे। बहिष्कृत ग्रामीणों की भूल से भी मदद करने वालों को पांच से दस हजार रुपए दंड लेने का फरमान जारी किया गया है। पीड़ितो के अनुसार, मामले की शिकायत चौकी में की गयी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई पुलिस ने नहीं की । इधर बहिष्कृत ग्रामीणों के बच्चों तक को गांव के दुकान में कोई सामान नहीं दिया जा रहा था। भय और आतंक के साए में जी रहे पीड़ित ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और जिले के एस पी को लिखित में शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। गौरतलब हो कि, बसना तहसील व भंवरपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम बुटीपाली के निवासी राजेश कुमार पिता रामदयाल जाति मरार, झंगलू सिंग पिता कवल सिंग जाति गोंड और बुधराम साहू पिता चंद्रिका साहू जाति तेली के अनुसार

गांव के सरपंच रोहित साहू, तोपचंद पटेल पंच, मनोज खटकर पंच, नागेश्वर भोई और लक्ष्मीनारायण साहू, जगदीश साहू ग्राम समिति अध्यक्ष ने गांव में अपने प्रभाव के चलते तीन परिवारों का गांव में हुक्का पानी बंद कर दिया था। पीड़ित परिवार का गुनाह सिर्फ इतना था कि, उन्होंने सरपंच चुनाव में गांव के सरपंच और उनके पंचों का सपोर्ट न करते हुए विपक्ष का सपोर्ट किया था। चुनाव जीतने के बाद सरपंच रोहित साहू और उनके सहयोगी पंचों ने इन तीनों परिवार का हुक्का पानी बंद कर दिया ।

गांव में हुक्का पानी बंद किए जाने के बाद पीड़ित परिवारों के साथ मेल जोल रखने वाले दरस, पिंटू और तीरथ को पांच पांच रुपए का दंड लिया गया । जिसके बाद से पूरे गांव में सरपंच रोहित साहू और पंचों के भय से कोई भी व्यक्ति पीड़ित परिवार की मदद करने आगे नहीं आ रहा था।

दो पाट के बीच पीस रहे पास्टर

बिलासपुर (समय दर्शन)। अपने ही नहीं अन्य धर्मों के मानने वालों के लिए भी प्रार्थना कर देने वाले सुसंस्कारी और बाइबल के अनुसार जीवन जीने वाले पादरी इन दिनों थाना और कोर्ट के चक्कर काट रहे हैं। दूसरी ओर एन केन प्रकारेण धर्म परिवर्तन में लगे कथित पास्टर भी पुलिस के चक्कर काट रहे हैं। इनके पीछे विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे संगठनों का दबाव है। कल आशय धर्म आचरण करने वाले फादर के पीछे उन्हीं का डायोसिस मोर्चा खोले है। इस तरह एक समय अविभाजित मध्यप्रदेश में सेवा के लिए नाम कमाने वाली ईसाई संस्थाएं अब छत्तीसगढ़ बनने के बाद भाई भतीजावाद से ग्रसित होकर असामाजिक दल के रूप में पहचान बना रही है।

पेंड्रा से लेकर पत्थर गांव तक, बिलासपुर से लेकर बस्तर तक ऐसा कई चर्च नजर नहीं आता जहां विवाद न हो, जिस चर्च के साथ स्कूल जुड़ा है वहां विवाद और अधिक है। बिलासपुर का मिशन अस्पताल भी इसी राजनीति का शिकार हुआ। सीडब्ल्यूबीएम को सक्षम हाथों से लेकर विवादित हाथों में सौंप दिया गया। उचित कानूनी लड़ाई के स्थान पर राजनीति हुई और जिला प्रशासन ने मुख्य भवन को जमीनडोज कर दिया। अच्छे भवन में अपना विस्तार कार्यालय खोल दिया। सीडब्ल्यूबीएम की वर्तमान बॉडी इस परिसर या अनियत्र एक कमरे का क्लीनिक भी नहीं चला सकती। इसके पदाधिकारी छत्तीसगढ़ में घूम-घूम कर धरना प्रदर्शन करते देखे जाते हैं।

तिल्दा थोमा चर्च के पादरी को एढाक बॉडी ने नौकरी से निलंबित कर दिया। एढाक बॉडी को यह पावर नहीं था। थोमा के चर्च में जिसे जबरदस्ती लादा जा रहा है। सूत्र बतते हैं कि वो संस्था के एक बड़े पदाधिकारी का भाई है। यही सुत्र दावा करते हैं कि पदाधिकारीयों ने अपने बेटे और रिश्तेदारों को रेवरेंट और पादरी बनाकर मोती तनख्वाह दी। आरोप तो यह भी है कि जिस संस्था के अंतर्गत चर्च का संचालन होता है वह पंजीकृत ही नहीं है। अर्थात उसे अपना खाता वही सरकार के सामने दिखने की जरूरत ही नहीं है। इस मामले की जांच भी हुई है और रिपोर्ट स्पष्ट बताती है कि किस तरह ईसाई स्कूलों का पैसा दूसरी संस्था में ट्रांसफर किया जाता है। जब कभी-भी किसी ईमानदार नगरिक ने अपने समाज के भीतर के इस विसंगति को उठाया तो उसे पहले तो बाहर किया गया फिर ना मानने पर झूठे मुकदमों तक में फसाया गया। एक 72 साल के व्यक्ति को तो छेड़खानी और बाद में भयादोहन के प्रकरण में जेल तक भिजवाया गया। जमानत पश्चात वह अभी भी अपने मुद्दों से पीछे नहीं हटता इन सब के बीच मानव सेवा और बाइबल का असल संदेश कहीं पछे छूट गया।

बाल आयोग अध्यक्ष से छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संगठन की सौजन्य भेंट

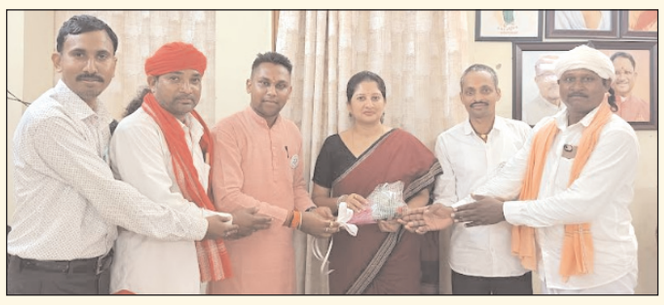

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले सहित छत्तीसगढ़ राज्य के कई जिलों में बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण के लिए 2012 से निरंतर स्वयंसेवी सहयोग के माध्यम से छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संगठन कार्य करते आ रहा है। शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार, बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित कार्य किया जा रहा है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, बाल विवाह रोकथाम, बाल श्रम प्रतिषेध, कुपोषण को दूर करने एवं अनेकों प्रकार से बच्चों के अधिकारों की संरक्षण के लिए कार्यरत है। इसी कड़ी में 19 मई 2025 को छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यों के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग छत्तीसगढ़ शासन के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा से सौजन्य भेंट किया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ठा. रमन सिंह समाजसेवी ने आयोग के अध्यक्ष महोदय की सराहना करते हुए बताया कि अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा अत्यंत सहज, सरल, सौम्य एवं संवेदनशील विद्वान हैं जिन्होंने कई वर्षों से सुदूर दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संगठन के कार्यों को विस्तार से चर्चा किया। इसी के साथ कबीरधाम जिले में अति शीघ्र आगमन का भरोसा दिलाया गया है। आयोग के अध्यक्ष से सौजन्य भेंट में छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ठा. रमन सिंह समाजसेवी के साथ पालेश यादव सांस्कृतिक प्रमुख, विशेष संरक्षित जनजाति बैगा समाज प्रमुख मोती बैगा, बिहारी बैगा एवं छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संगठन के संरक्षक चंद्रकांत यादव की उपस्थिति रही।

1 करोड़ 65 लाख की धान गड़बड़ी, 3 कर्मचारी निलंबित, एफआईआर के निर्देश

गड़बड़ी की प्रकृति: धान के भौतिक सत्यापन के दौरान 11416 बोरी धान कम पाया

महासमुन्द(समय दर्शन)। सरायपाली के अमरकोट स्थित धान उपार्जन केन्द्र मे प्रभारी द्वारा अधिकारियोंके मिलीभगत से किये लाखों करोडों के वारे न्यारे। सहकारिता को बदनाम करने विभाग के ही अधिकारी कर्मचारी अंदर ही अंदर दीमक की तरह खोखला करने मे लगे हैं । बसना हो या सरायपाली सभी तरफ सहकारिता के क्षेत्र में उपार्जन केंद्रों में चल रहा है मनमानी। यहाँ ऐसे अनेक प्रभारी,सहायक, ऑपरेटर मिलेंगे जो हजारों बोरी ,हजारों क्विंटल धान हजम कर जा रहे हैं और डकार तक नहीं ले रहे है।

विभाग के कुछ ऐसे आला अधिकारियों की लीपा पोती और कर्मचारियों के शय पर उपार्जन केंद्र के प्रभारी और अन्य कर्मचारी भ्रष्टाचार और गबन को अंजाम देते हुए सरकार की मंसा को ठेंगा दिखाकर आराम फरमा रहे है।

आपको बताते चलें यहाँ धान के भौतिक सत्यापन के दौरान 11416 बोरी धान कम पाया गया है।

धान की मात्रा में कमी

5348.68 क्विंटल (मानक के अनुसार)। गड़बड़ी की अनुमानित राशि: 1 करोड़ 65 लाख 80 हजार 908 रुपए। (3100 प्रति क्विंटल की दर से)।

जांच दल: कलेक्टर खाद्य शाखा, जिला महासमुंद द्वारा गठित इसमें खाद्य निरीक्षक, सहकारी निरीक्षक और शाखा प्रबंधक शामिल थे।

जिम्मेदार कर्मचारी: जांच दल ने धान उपार्जन केंद्र प्रभारी कार्तिकेश्वर यादव, बारदाना प्रभारी तेजराम पटेल और कंप्यूटर ऑपरेटर राजेन्द्र पटेल को संयुक्त रूप से जिम्मेदार ठहराया है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर ने धान खरीदी नीति खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 और त्रिपक्षीय अनुबंध के प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश में संबंधित तीनों कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने और उनके खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी: आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि संबंधित अधिकारी समय पर उचित कार्रवाई नहीं करते हैं, तो इसे निरीक्षण और पर्यवेक्षण में लापरवाही माना जाएगा। ऐसी स्थिति में उन अधिकारियों के खिलाफ भी अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई के लिए उच्च कार्यालय को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

खबर का विश्लेषण:

यह खबर महासमुंद जिले के एक धान उपार्जन केंद्र में हुई एक बड़ी वित्तीय अनियमितता को उजागर करती है। केंद्र में भौतिक सत्यापन के दौरान बड़ी मात्रा में धान का गायब होना गंभीर मामला है। जिसमें एक करोड़ 65 लाख से अधिक की राशि शामिल है।

जांच दल की रिपोर्ट ने तीन कर्मचारियों को इस गड़बड़ी के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। इसके बाद, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर ने त्वरित और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जिसमें तीनों कर्मचारियों का निलंबन और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना शामिल है।

इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। यह दर्शाता है कि प्रशासन इस तरह की गड़बड़ियों को लेकर सख्त है और यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। समय पर कार्रवाई न करने पर अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी एक मजबूत संदेश देती है। यह घटना धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देती है। इतनी बड़ी मात्रा में धान का गायब होना सुरक्षा व्यवस्था और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में खामियों को दर्शाता है, जिन्हें तत्काल सुधारने की आवश्यकता है।

आगे की कार्रवाई में पुलिस जांच महत्वपूर्ण होगी। जिससे यह पता चल सकेगा कि धान की यह कमी कैसे हुई और क्या इसमें अन्य लोग भी शामिल थे। साथ ही, यह भी देखना होगा कि जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ क्या कानूनी कार्रवाई की जाती है और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाते हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26